विश्व साक्षरता दिवस कार्यक्रम

8 सितम्बर 2015 को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में विश्व साक्षरता दिवस के अवसर पर स्वयं सेवकों एवं स्वयं सेविकाओं को सम्बोधित करते हुए भूगोल विभाग के प्रभारी ने डॉ. विजय कुमार चौधरी कहा कि भारत में आज भी बड़ी संख्या में लोग शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण आत्म विकास के अवसर से वंचित हैं। इसका सबसे बड़ा दुष्परिणाम समाज पर पड़ता है, क्योंकि शिक्षित और सामर्थ्यवान समाज ही राष्ट्र प्रगति का आधार है। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने करते हुए कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यभूमि ही गांव है जहाँ शिक्षा का अभाव देखने को मिलता है। स्वयं सेवकों को गांव के लोगों को शिक्षित करने का जो सौभाग्य प्राप्त होता है वह किसी तीर्थ से कम नहीं है। राष्ट्रीय सेवा योजना में मानव सेवा का अनन्त अवसर मिलता है। एक तरफ यह समाज का उत्थान और दूसरी तरफ स्वयं के व्यक्तित्व विकास एक साथ करने का माध्यम है राष्ट्रीय सेवा योजना। शिक्षित भारत ही श्रेष्ठ भारत की शर्त है। कार्यक्रम का संचालन श्री सुबोध कुमार मिश्र एवं आभार श्री आशीष राय ने किया। इस अवसर पर डॉ. आर.एन. सिंह, डॉ. शिव कुमार वर्नवाल, श्रीमती कविता मन्ध्यान, डॉ. शक्ति सिंह, डॉ. प्रज्ञेश कुमार सिंह, डॉ. राजेश शुक्ल, डॉ. प्रकाश प्रियदर्शी, श्री विनय कुमार सिंह, डॉ. शुभ्रांशु शेखर सिंह सहित स्वयं सेवक एवं सेविकाएं उपस्थित रहें।

समाचार पत्रों में...

सिटी टाइम्स
गोरखपुर, बुधवार, 9 सितम्बर, 2015

शिक्षित नागरिक ही समाज की रीढ़ : डा. विजय

राष्ट्रीय सेवा योजना का मूल उद्देश्य सशक्त एवं सामर्थ्यवान समाज का निर्माण : डा. अविनाश प्रताप सिंह

महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़ में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आयोजित विश्व साक्षरता दिवस के अवसर पर व्याख्यानमाला में मंचासीन अतिथि व श्रोता।

कार्यालय संवाददाता, गोरखपुर। शिक्षित नागरिक ही विकसित समाज की रीढ़ हैं। किसी भी देश की प्रगति उसके नागरिकों में शिक्षा के अनुपात पर निर्भर करती है। दुनिया के तमाम देश अपने शिक्षित नागरिकों के बल पर ही आज विश्व में शक्तिशाली एवं सामर्थ्यवान देश के रूप में उभरकर सामने आये हैं। विकासशील और तृतीय विश्व के देशों के पिछड़ेपन का एक सर्वप्रमुख कारण उनके यहां शिक्षा और साक्षारता के निम्न स्तर का होना है। शिक्षा न केवल रोजगार एवं आर्थिक उन्नति का माध्यम है बल्कि श्रेष्ठ और सभ्य नैतिक समाज के निर्माण का प्रमुख हथियार है। इसी के माध्यम से राष्ट्र निर्माण और राष्ट्र प्रगति का मार्ग प्रशस्त होता है।

उक्त बातें महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आयोजित विश्व साक्षारता दिवस के अवसर पर व्याख्यान कार्यक्रम में बोलते हुए भूगोल विभाग के अध्यक्ष एवं मुख्य वक्ता डॉ. विजय कुमार चौधरी ने कही।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना की स्थापना की मूल उद्देश्य ही सशक्त एवं सामर्थ्यवान समाज के निर्माण में योगदान करना है। विशेष रूप से युवा पीढ़ी के उपर यह जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। राष्ट्रीय सेवा योजना अपने विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यमों से भारत के उन तमाम गांवों में जो वर्तमान में भौतिक संसाधनों से अभाव ग्रस्त हैं, ऐसे अशिक्षित और अजागरूक लोगों के बीच शिक्षा और साक्षारता के प्रति ललक पैदा करने हेतु निरन्तर प्रयासरत है। महाराणा प्रताप महाविद्यालय भी अपने आसपास के गांवों में राष्ट्रीय सेवा योजना और विभिन्न विभागों के माध्यम से इस पुनीत अभियान को आगे बढ़ाने का बीड़ा उठाया है। आज भारत दुनिया में मतदाताओं की संख्या की दृष्टि से नवयुवकों की संख्या की दृष्टि से और दुर्भाग्य से अनपढ़ों और निरक्षरों की संख्या की दृष्टि से विश्व का अग्रणी देश है। यदि यह मतदाताओं की नवयुवकों की संख्या शिक्षा और साक्षारता जैसे अभियान में जुड़कर सकारात्मक अभियान में योगदान देना प्रारम्भ कर दे तो वह दिन दूर नहीं जब भारत एक बार पुनः विश्व का बौद्धिक मार्ग दर्शन करने में सफल हो जायेगा। राष्ट्रीय सेवा योजना ऐसे युवाओं के लिए प्रेरणादायी मंच है।

कार्यक्रम का संचालन सुबोध कुमार ने तथा आभार ज्ञापन पूर्व स्वयं सेवक आशीष राय ने किया। इस अवसर पर डॉ. शिव कुमार बर्नवाल, डॉ. आर.एन. सिंह, श्रीमती कविता मल्यान, डॉ. शक्ति सिंह, डॉ. अपर्णा मिश्रा, डॉ. प्रवेश कुमार मिश्र, डॉ. राजेश शुक्ला, डॉ. राम सहाय सहित महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं स्वयं सेवक/सेविकाएं उपस्थित थे।

स्वतंत्र चेतना
गोरखपुर, बुधवार, 9 सितम्बर 2015

व्याख्यान में मंचासीन डा. विजय चौधरी, डा. अविनाश प्रताप सिंह व उपस्थित छात्र-छात्राएं।

साक्षरता मिशन के लिए एन.एस.एस. उचित मंच : डा. चौधरी

एमपीपीजी कालेज जंगल धूषण में साक्षरता दिवस पर व्याख्यान का आयोजन

गोरखपुर। शिक्षित नागरिक ही विकसित समाज की रीढ़ हैं। किसी भी देश की प्रगति उसके नागरिकों में शिक्षा के अनुपात पर निर्भर करती है। दुनिया के तमाम देश अपने शिक्षित नागरिकों के बल पर ही आज विश्व में शक्तिशाली एवं सामर्थ्यवान देश के रूप में उभरकर सामने आये हैं। विकासशील और तृतीय विश्व के देशों के पिछड़ेपन का एक सर्वप्रमुख कारण उनके यहां शिक्षा और साक्षारता के निम्न स्तर का होना है। शिक्षा न केवल रोजगार एवं आर्थिक उन्नति का माध्यम है बल्कि श्रेष्ठ और सभ्य नैतिक समाज के निर्माण का प्रमुख हथियार है। उक्त बातें महाराणा प्रताप पीजी.कालेज, जंगल धूसड़,में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आयोजित विश्व साक्षारता दिवस के अवसर पर व्याख्यान कार्यक्रम में बोलते हुए भूगोल विभाग के अध्यक्ष एवं मुख्य वक्ता डॉ.विजय कुमार चौधरी ने कही।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना की स्थापना की मूल उद्देश्य ही सशक्त एवं सामर्थ्यवान समाज के निर्माण में योगदान करना है। विशेष रूप से युवा पीढ़ी के उपर यह जिम्मेदारी और बढ़ जाती है।

राष्ट्रीय सेवा योजना अपने विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यमों से भारत के उन तमाम गांवों में जो वर्तमान में भौतिक संसाधनों से अभाव ग्रस्त हैं, ऐसे अशिक्षित और अजागरूक लोगों के बीच शिक्षा और साक्षारता के प्रति ललक पैदा करने हेतु निरन्तर प्रयासरत है।

जीवन के लिए ज्ञान सबसे जरूरी: डा. अजय

गोरखपुर। साक्षरता का तात्पर्य सिर्फ पढ़ना-लिखना ही नहीं बल्कि यह सम्मान अवसर और विकास से जुड़ा विषय है दुनिया में शिक्षा और ज्ञान तर जीवन जीने के लिए जरूरी माध्यम है। आज अनपढ़ता देश की तरक्की में बहुत बड़ी बाधा है जिसके अभिशाप से गरीब और गरीब होता जा रहा है। एक व्यक्ति का शिक्षित होना उसका स्वयं विकास है, वहीं एक बालिका शिक्षित होकर पूरे घर को सवांर सकती है। जब देश का हर नागरिक साक्षर होगा तभी देश की तरक्की हो सकेगा।

एन0एस0एस0 युवाओं का मंच है, युवा इस मंच से साक्षरता अभियान चला सकते हैं। उक्त बातें कार्यक्रम समन्वयक डॉ0 अजय कुमार शुक्ला ने भाषण प्रतियोगिता में कही। उन्होंने कहा कि केरल को छोड़कर भारत में सभी राज्यों की स्थिति साक्षरता के मामलें में दयनीय है। डॉ0 शरद कुमार मिश्र ने कहा कि शिक्षा से ही विकास सम्भव है, इसके लिए स्वयंसेवकों को आगे आना चाहिए। जन्म तो मनुष्य को मिल जाता है, परन्तु शिक्षा के द्वारा मनुष्य सभ्य बनता है। शिक्षा मनुष्य को अच्छे बुरा के ज्ञान कराकर उसे समाज में का उपयोगी नागरिक बनाता है। डॉ0 एस0 के0 तिवारी ने स्वयंसेवकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमें शिक्षा के स्तर को बढ़ाना होगा, जिससे समाज का विकास होगा। स्वयंसेवक कृष्णकांत सिंह ने अपने भाषण में कहा कि महिला शिक्षा का प्रभाव दो परिवारों पर पड़ता है, उससे आगे आने वाली पीढ़िया प्रभावित होती है। महिलाओं के शिक्षित होने से समाज व राष्ट्र सशक्त होता है। इस अवसर पर डॉ0 छाया रानी, डॉ0 मनोज तिवारी, डॉ0 सुधाकर लाल श्रीवास्तव, डॉ0 राजेश कुमार सिंह कार्यक्रम अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अभिनव भार्गव, शशिकान्त पाण्डेय, हिमांशु उपाध्याय, प्रवीण यादव, प्रवीन दूबे, अवनीश धर दूबे, निखिल चन्द्र उपाध्याय, अखिलदेव त्रिपाठी, नैना, नेहा, कामिनी का विशेष सहयोग रहा।

चेतना विचारधारा

गोरखपुर, 09 सितम्बर, 2015

साक्षरता मिशन के लिए एन.एस.एस. उचित मंच : डा. चौ

❑ एमपीपीजी कालेज जंगल धूषण में साक्षरता दिवस पर व्याख्यान का आयोजन

गोरखपुर। शिक्षित नागरिक ही विकसित समाज की रीढ़ हैं। किसी भी देश की प्रगति उसके नागरिकों में शिक्षा के अनुपात पर निर्भर करती है। दुनिया के तमाम देश अपने शिक्षित नागरिकों के बल पर ही आज विश्व में शक्तिशाली एवं सामर्थ्यवान देश के रूप में उभरकर सामने आये हैं। विकासशील और तृतीय विश्व के देशों के पिछड़ेपन का एक सर्वप्रमुख कारण उनके यहां शिक्षा और साक्षारता के निम्न स्तर का होना है। शिक्षा न केवल रोजगार एवं आर्थिक उन्नति का माध्यम है बल्कि श्रेष्ठ और सभ्य नैतिक समाज के निर्माण का प्रमुख हथियार है। उक्त बातें महाराणा प्रताप पीजी. कालेज, जंगल धूसड़,में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आयोजित विश्व साक्षारता दिवस के अवसर पर व्याख्यान कार्यक्रम में बोलते हुए भूगोल विभाग के अध्यक्ष एवं मुख्य वक्ता डॉ. विजय कुमार चौधरी ने कही।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना की स्थापना की मूल उद्देश्य ही सशक्त एवं सामर्थ्यवान समाज के निर्माण में योगदान करना है। विशेष रूप से

राष्ट्रीय सहारा

समाचार पत्रों में...

गोरखपुर | बुधवार • 9 सितम्बर • 2015

विश्व साक्षरता दिवस व शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में थियोसाफिकल स्कूल में बच्चों को सम्मानित कर उपस्थित इनरव्हील क्लब की पदाधिकारी तथा एमपी पीजी कालेज जंगल धूसड़ में आयोजित व्याख्यान में सम्बोधित करते भूगोल विभाग के अध्यक्ष डा.विजय कुमार चौधरी।

बच्चों संग मनाया गया शिक्षक व साक्षरता दिवस

गोरखपुर (एसएनबी)। इनरव्हील क्लब गोरखपुर के तत्वावधान में शिक्षक दिवस तथा विश्व साक्षरता दिवस पर एक कार्यक्रम का आयोजन मंगलवार को सिविल लाइंस स्थित थियोसाफिकल विद्यालय में किया।

- थियोसाफिकल विद्यालय में शिक्षकों व बच्चों का किया सम्मान
- सेक्टर व बूथ प्रमुखों की भूमिका अहम : विजय यादव
- दो छात्राओं को छात्रवृत्ति व एक को साइकिल प्रदान दी

क्लब की अध्यक्षा मधुलिका सिंह ने इस दौरान कहा कि अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस का उद्देश्य लोगों, समुदाय और समाज में साक्षरता के महत्व को उजागर करना है। अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस प्रतिवर्ष एक नए उद्देश्य के साथ मनाया जाता है। इस बार साक्षरता को प्रोत्साहित करने हेतु प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से इसके कई पहलू का सहयोग के सहारे आगे बढ़ाया गया ताकि बढ़ते हुए भविष्य में रोक न लगे। उन्होंने कहा कि इनरव्हील क्लब ने साक्षरता को गति प्रदान करते हुए ज्ञान के स्तम्भ जो की शिक्षक होते हैं तथा उस जगह के सभी वो व्यक्ति जो वहां के दिशाहीन जीवन को दिशा दिखाने में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करते हैं, उन्हें उनके अतुलनीय कार्य हेतु सम्मानित किया जा रहा है। क्लब एडिटर पुष्पिता लाहिड़ी ने बताया कि कार्यक्रम में शिक्षकों व विद्यालय के बाकी सदस्यों को स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किए जाने के साथ ही दो छात्राओं को साल भर की छात्रवृत्ति प्रदान की गई। साथ ही नूरजहां नामक छात्रा को साईकिल प्रदान की गई। बच्चों को पेंसिल बाक्स, पेन, पेंसिल, टाफी, बिस्किट आदि बांटा गया और उनके बीच चित्रकला प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। बच्चों ने इस दौरान आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति भी की। यहां के कार्यक्रम के पश्चात इनरव्हील क्लब की सदस्यों ने अभयनंदन स्कूल की कुछ छात्राओं को जो अपनी यूनीफार्म खरीदने में असमर्थ हैं, उन्हें यूनीफार्म दिया। साथ ही उनकी हस्तकला को प्रोत्साहित करने हेतु उनमें कई तरह के कपड़े वितरित किया।

क्लब एडिटर पुष्पिता लाहिड़ी ने बताया कि इनरव्हील क्लब गोरखपुर द्वारा प्रौढ़ शिक्षा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मधुलिका सिंह व डा. सुरहिता करीम के सहयोग से स्टार हास्पिटल प्रांगण में महिलाओं को शिक्षा भी प्रदान की जाएगी। मंगलवार के कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अध्यक्ष मधुलिका सिंह, रागिनी दास, डा. सुरहिता करीम, पुष्पिता लाहिड़ी आदि की सहभागिता रही।

होराइजन ने की जागरुकता संगोष्ठी

गोरखपुर। विश्व साक्षरता दिवस के अवसर पर मंगलवार को इनरव्हील क्लब गोरखपुर होराइजन ने अपने सर्वशिक्षा अभियान के अंतर्गत नौसड़ में प्रौढ़ शिक्षा पर संगोष्ठी की। इस दौरान लगभग सौ ग्रामीण महिलाओं को शिक्षा के प्रति जागरूक किया गया। अतिथियों के रूप में मौजूद एहतेशाम सिद्धीकी, श्रीमती रौशन सिद्धीकी व डा. सुरेश सिंह ने महिलाओं को उनके व्यक्तित्व के प्रति जागरूक किया। क्लब एडीटर विजेता सिंघानिया ने बताया कि आयोजन में अध्यक्ष स्वीटी अग्रवाल, तरंग अग्रवाल, स्मिता अग्रवाल, विजेता सिंघानिया, गरिमा अग्रवाल, रचना अग्रवाल आदि की सहभागिता रही।

समाचार पत्रों में...

आज — गोरखपुर, बुधवार ९ सितम्बर २०१५

शिक्षित नागरिकों से ही राष्ट्र सामर्थ्यवान-डा.विजय

गोरखपुर,८ सितिम्बर। शिक्षित नागरिक ही विकसित समाज की रीढ़ हैं। किसी भी देश की प्रगति उसके नागरिकों में शिक्षा के अनुपात पर निर्भर करती है। दुनिया के तमाम देश अपने शिक्षित नागरिकों के बल पर ही आज विश्व में शक्तिशाली एवं सामर्थ्यवान देश के रूप में उभरकर सामने आये हैं। विकासशील और तृतीय विश्व के देशों के पिछड़ेपन का एक सर्वप्रमुख कारण उनके यहां शिक्षा और साक्षारता के निम्न स्तर का होना है। शिक्षा न केवल रोजगार एवं आर्थिक उन्नति का माध्यम है बल्कि श्रेष्ठ और सभ्य नैतिक समाज के निर्माण का प्रमुख हथियार है। यह बातें महाराणा प्रताप पीजी. कालेज, जंगल धूसड़, में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आयोजित विश्व साक्षारता दिवस के अवसर पर व्याख्यान कार्यक्रम में बोलते हुए भूगोल विभाग के अध्यक्ष एवं मुख्य वक्ता डॉ.विजय कुमार चौधरी ने कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डॉ.अविनाश प्रताप सिंह ने कहा कि

राष्ट्रीय सेवा योजना की स्थापना की मूल उद्देश्य ही सशक्त एवं सामर्थ्यवान समाज के निर्माण में योगदान करना है। राष्ट्रीय सेवा योजना अपने विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यमों से भारत के उन तमाम गांवों में जो वर्तमान में भौतिक संसाधनों से अभाव ग्रस्त हैं, ऐसे अशिक्षित और अजागरूक लोगों के बीच शिक्षा और साक्षारता के प्रति ललक पैदा करने हेतु निरन्तर प्रयासरत है। महाराणा प्रताप महाविद्यालय भी अपने आसपास के गांवों में राष्ट्रीय सेवा योजना और विभिन्न विभागों के माध्यम से इस पुनीत अभियान को आगे बढाने का बीणा उठाया है। आज भारत दुनिया में मतदाताओं की संख्या की दृष्टि से नवयवुका की सखंया की दृष्टि से और दुर्भाग्य से अनपढा और निरक्षरों की सख्या की दृष्टि से विश्व का अग्रणी देश है। कार्यक्रम का संचालन सुबोध कुमार ने तथा आभार ज्ञापन पूर्व स्वयं सेवक अशीष राय ने किया। इस अवसर पर डॉ.शिव कुमार बर्नवाल, डॉ. आरएन. सिह, श्रीमती कविता मन्ध्यान, डॉ. शक्ति सिंह, डॉ. अपर्णा मिश्रा, डॉ.प्रज्ञेश कुमार मिश्र, डॉ.राजेश शुक्ला, डॉ. राम सहाय आदि उपस्थित रहे।

दैनिक जागरण — गोरखपुर, 9 सितंबर 2015

जन जागरुकता से ही साक्षरता संभवः बीएसए

अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर आयोजित समारोह में मंचासीन बीएसए और डायट प्राचार्य व गीत प्रस्तुत करतीं छात्राएं।

अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस

- प्रदेश में 66 जिलों में महिला साक्षरता 50 फीसद से कम
- गोरखपुर में तेजी से ब्रढ रही है साक्षरता, तैनात किए गए प्रेरक

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस प्रत्येक वर्ष 8 सितंबर को पूरे विश्व में मनाया जाता है। इस दिवस की उपयोगिता तभी बढ़ेगी जब लोग इसके प्रति जागरूक होंगे। बेसिक शिक्षा विभाग ने लोगों को जागरूक करने का बीड़ा उठाया है। इसके लिए जिला और ब्लाक समन्वयक तैनात किए गए हैं। स्कूलों में नियुक्त प्रेरक लोगों को प्रेरित कर रहे हैं। इधर, गोरखपुर की साक्षरता दर तेजी से बढ़ रही है।

यह बातें जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ओम प्रकाश यादव ने कही। वह मंगलवार को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) स्थित राधा कृष्णन हाल में लोक शिक्षा समिति के तत्वावधान में आयोजित अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस समरोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विभिन्न कार्यक्रमों के जरिए लोगों को उत्साहित कर पूरी दुनिया में साक्षरता का उजाला फैलाना है। देश के उन 365 जिलों का चयन किया गया है, जहां वर्ष 2001 की जनगणना के आधार पर महिला साक्षरता दर 50 फीसद से कम है। उत्तर प्रदेश में ऐसे 66 जिले हैं, जहां महिला साक्षरता दर 50 फीसद से कम है। गोरखपुर की साक्षरता दर बेहतर है, यहां वर्तमान में साक्षरता दर 73.25 फीसद है। समारोह की अध्यक्षता डायट प्राचार्य बृजेश कुमार ने किया। संचालन प्रवक्ता जय प्रकाश ओझा ने की। इस मौके पर जय प्रकाश, पारसनाथ कुशवाहा, जनार्दन यादव, महेंद्र नाथ त्रिपाठी, धीरेंद्र त्रिपाठी, हरिगोविंद सिंह, एसके श्रीवास्तव, एसके चौबे, अकरम परवेज, त्रिभुवन यादव और अभिषेक पांडेय आदि मौजूद थे।

10 विद्यालयों में दो कक्षीय भवन : नगर शिक्षा अधिकारी ब्रहमचारी शर्मा के अनुसार विद्यालयों में पठन-पाठन का माहौल तैयार करने के उद्देश्य से यह वर्ष गुणवत्ता वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। भौतिक संसाधन भी बढ़ाए जा रहे हैं। महानगर के 76 में से 10 जर्जर विद्यालयों का निर्माण शुरू हो चुका है। बसंतपुर खास स्थित प्राथमिक विद्यालय में तो दो कक्षीय भवन बन गए हैं। प्राथमिक विद्यालय माधोपुर, पुर्दिलपुर, जटाशंकर, भैरोपुर, दाउदपुर, गोरखनाथ बालक, मोहद्दीपुर और उच्च प्राथमिक विद्यालय गिरधरगंज में निर्माण कार्य शुरू हो चुका है। नगर विधायक डा. राधा मोहन दास अग्रवाल और ग्रामीण क्षेत्र के विधायक विजय बहादुर यादव ने सराहनीय भूमिका निभाई है।

शिक्षित समाज से विकसित होगा देश

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : 'साक्षरता का अर्थ महज पढ़ना-लिखना ही नहीं, बल्कि यह सम्मान अवसर और विकास से जुड़ा विषय है। आतंकवाद हो, महिला हिंसा हो, गरीबी हो या अन्य सामाजिक समस्याएं, सभी के मूल में अशिक्षा ही है। एक व्यक्ति का शिक्षित होना उसका स्वयं का विकास है, वहीं एक बालिका शिक्षित होकर पूरे घर को संवार सकती है। जब देश का हर नागरिक साक्षर होगा तभी देश की तरक्की हो सकेगी।' कुछ ऐसे ही संदेश विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं में छात्र-छात्राओं ने अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर दिए। साक्षरता दिवस के मौके पर महाविद्यालयों में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने रैली निकाल कर साक्षरता के महत्व को जानकारी लोगों को दी वहीं अनेक स्थानों पर संगोष्ठियां और प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं। दीदउगोविवि के एनएसएस स्वयंसेवकों के बीच भाषण प्रतियोगिता हुई, जहा स्वयंसेवकों ने साक्षरता के महत्व और साक्षर भारत के सपने को साकार करने के अपने तरीके बताए। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कृष्णकान्त सिंह, द्वितीय स्थान डिम्पल मिश्रा को मिला तो तृतीय स्थान अखिलेश पांडेय ने प्राप्त किया। सरस्वती विद्या मंदिर महिला पीजी कालेज में एनएसएस स्वयंसेविकाओं ने हुमांयुपुर मलिन बस्ती के बीच रैली निकाल कर लोगों को साक्षर होने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम अधिकारी डा. कनक मिश्रा और डा.गीता पांडेय के साथ स्वयंसेविकाओं ने मलिन बस्ती के बच्चों के बीच कॉपी, पुस्तकें और पेंसिल आदि सामग्री का वितरण भी किया।

पिछड़ेपन का कारण है अशिक्षा

शिक्षित नागरिक ही विकसित समाज की रीढ़ हैं। किसी भी देश की प्रगति उसके नागरिकों में शिक्षा के अनुपात पर निर्भर करती है। दुनिया के तमाम देश अपने शिक्षित नागरिकों के बल पर ही आज विश्व में शक्तिशाली एवं सामर्थ्यवान देश के रूप में उभरकर सामने आए हैं। विकासशील देशों पिछड़ेपन का एक प्रमुख कारण उनके यहां शिक्षा और साक्षरता के निम्न स्तर का होना है। शिक्षा न केवल रोजगार एवं आर्थिक उन्नति का माध्यम है बल्कि श्रेष्ठ और सभ्य नैतिक समाज के निर्माण का प्रमुख हथियार है। उक्त बातें महाराणा प्रताप पीजी कालेज, जंगल धूसड़, में साक्षरता दिवस के अवसर पर व्याख्यान में भूगोल विभाग के अध्यक्ष ने कही। कार्यक्रम का संचालन सुबोध कुमार ने तथा आभार ज्ञापन पूर्व स्वयं सेवक अशीष राय ने किया।

- साक्षरता दिवस पर छात्र छात्राओं ने दिया संदेश
- शिक्षा का महत्व बताते हुए किया जागरूक

सरस्वती विद्या मंदिर महिला पीजी कालेज में एनएसएस द्वारा साक्षरता दिवस पर आयोजित कार्यक्रम।

साक्षारता दिवस कार्यक्रम को सम्बोधित करते डॉ. विजय कुमार चौधरी

कार्यक्रम में शिक्षक, स्वयं सेवक एवं स्वयं सेविकाएं

कार्यक्रम में मंचासीन श्री सुबोध कुमार मिश्र, डॉ. अविनाश प्रताप सिंह, श्री आशीष राय

विश्व ओजोन संरक्षण दिवस कार्यक्रम

16 सितम्बर 2015 की राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में विश्व ओजोन संरक्षण दिवस के अवसर पर वनस्पति विज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि अंधाधुंध वैज्ञानिक अन्वेषण बगैर प्राकृतिक सभ्यता के हमेशा संकट पैदा करेगा। भौतिक जीवन की सुख–सुविधा की मांग और उसके उपभोग ने आज मानव जीवन के अस्तित्व पर ही संकट पैदा कर दिया है। इसका व्यापक प्रकोप विश्व जनमानस को भुगतान पड़ेगा। भारतीय जीवन पद्धति को अपनाकर एक सीमा तक इस संकट और चुनौती का सामना किया जा सकता है। तापमान में अनियमितता और वृद्धि से आज पूरा विश्व परेशान है। यहाँ तक कि विकसित देश जो इस समस्या का सबसे बड़ा कारण है वे भी आज सबसे अधिक दुष्प्रभावित है। कार्यक्रम का विषय प्रवर्तन करते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने कहा कि संयमित जीवन और विश्व कल्याण की भावना ही एकमात्र उपाय इस संकट का सामना करने का समर्थ साबित हो सकती है। कार्यक्रम का संचालन श्री सुबोध कुमार मिश्र तथा आभार डॉ. यशवन्त कुमार राव ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. विजय कुमार चौधरी, श्रीमती कविता मन्ध्यान, सुश्री आम्रपाली वर्मा, श्रीमती पूजा पाण्डेय, श्रीमती शिप्रा सिंह, डॉ. आरती सिंह, डॉ. अभय श्रीवास्तव सहित स्वयं सेवक/सेविकाएं उपस्थित रहे।

विश्व ओजोन संरक्षण दिवस पर व्याख्यान देते डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव

समाचार पत्रों में...

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर, गुरूवार, 17 सितम्बर 2015

ओजोन की विरलता जलवायु परिवर्तन का मुख्य कारण : डा. श्रीवास्तव

❑ विश्व ओजोन संरक्षण दिवस पर व्याख्यान का आयोजन

गोरखपुर। भारतीय जीवन पद्धति के साथ साम्य ही वर्तमान पर्यावरण संकट का उपाया है। मनुष्य के कर्मों का ही फल है पर्यावरण में क्षरण। उपभोक्तावादी जीवन शैली ने जिस प्रकार से अंधाधुंध उत्पादन और उपभोग को जीवन का मुख्य आधार बना लिया है, उसी के परिणामस्वरूप आज न केवल विश्व के सामने बल्कि सम्पूर्ण मानवता के लिए पर्यावरण का दूषित होना चिन्तनीय है। जीवन का हर क्षेत्र को वैज्ञानिक प्रगति के साथ जोड़ने से प्राकृतिक सन्तुलन में बिखराव आया है।

उक्त बातें वनस्पति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डा. अभय कुमार श्रीवास्तव ने महाराणा प्रताप पीजी कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में विश्व ओजोन संरक्षण दिवस के अवसर पर बोलते हुए कही। डा. श्रीवास्तव ने कहा कि ओजोन परत की विरलता न केवल तापमान वृद्धि हो रही है बल्कि जलवायु परिवर्तन का यह एक बड़ा कारण है। इसका सबसे बड़ा दुष्परिणाम जैव भू जैव रासायनिक चक्र में परिवर्तन होना है। एक तरफ मानव जनसंख्या में लगातार वृद्धि हो रही है वहीं दूसरी तरफ हिमखण्ड पिघलने से भूक्षेत्र में कमी आ रही है। ओजोन परत में विरलता से वह अमलीय वर्षा और घने कुहरे का प्रकोप दुनिया झेल रही है। वहीं दूसरी तरफ इस विखण्डन के नाते पराबैगनी बीटा किरणों की अधिकता से न केवल पशु, पौधे बल्कि मानव भी बुरी तरह से दुष्प्रभावित है। विभिन्न प्रकार के होने वाले चर्म रोग, कैंसर रोग, मोतियाबिन्द, चमड़ियों में झुर्री पड़ना, त्वचा की कोशिकाओं में टूट-फूट होना इत्यादि संकट से आज यह जगत दो चार हो रहा है समय रहते इसके समझ लें और ठीक करने की अत्यंत आवश्यकता है। वरना आने वाली पीढ़ी इस मार को सहने को अक्षम होगी। कार्यक्रम की प्रस्तावना राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डा. अविनाश प्रताप ने रखी। जबकि आभार ज्ञापन यशवन्त राय ने किया, संचालन सुबोध कुमार मिश्र ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक सहित स्वयं सेवक/संविका उपस्थित रहें। इस अवसर पर 50 विद्यार्थियों ने पर्यावरण संकट एवं संरक्षण विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता में हिस्सेदारी की।

चेतना विचारधारा

गोरखपुर,17 सितम्बर 2015

ओजोन की विरलता जलवायु परिवर्तन का मुख्य कारण : डा. श्रीवास्तव

विश्व ओजोन संरक्षण दिवस पर व्याख्यान का आयोजन

गोरखपुर। भारतीय जीवन पद्धति के साथ साम्य ही वर्तमान पर्यावरण संकट का उपाया है। मनुष्य के कर्मों का ही फल है पर्यावरण में क्षरण। उपभोक्तावादी जीवन शैली ने जिस प्रकार से अंधाधुंध उत्पादन और उपभोग को जीवन का मुख्य आधार बना लिया है, उसी के परिणामस्वरूप आज न केवल विश्व के सामने बल्कि सम्पूर्ण मानवता के लिए पर्यावरण का दूषित होना चिन्तनीय है। जीवन का हर क्षेत्र को वैज्ञानिक प्रगति के साथ जोड़ने से प्राकृतिक सन्तुलन में बिखराव आया है।

उक्त बातें वनस्पति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डा. अभय कुमार श्रीवास्तव ने महाराणा प्रताप पीजी कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में विश्व ओजोन संरक्षण दिवस के अवसर पर बोलते हुए कही।

डा. श्रीवास्तव ने कहा कि ओजोन परत की विरलता न केवल तापमान वृद्धि हो रही है बल्कि जलवायु परिवर्तन का यह एक बड़ा कारण है। इसका सबसे बड़ा दुष्परिणाम जैव भू जैव रासायनिक चक्र में परिवर्तन होना है। एक तरफ मानव जनसंख्या में लगातार वृद्धि हो रही है वहीं दूसरी तरफ हिमखण्ड पिघलने से भूक्षेत्र में कमी आ रही है। ओजोन परत में विरलता से वह अमलीय वर्षा और घने कुहरे का प्रकोप दुनिया झेल रही है। वहीं दूसरी तरफ इस विखण्डन के नाते पराबैगनी बीटा किरणों की अधिकता से न केवल पशु, पौधे बल्कि मानव भी बुरी तरह से दुष्प्रभावित है। विभिन्न प्रकार के होने वाले चर्म रोग, कैंसर रोग, मोतियाबिन्द, चमड़ियों में झुर्री पड़ना, त्वचा की कोशिकाओं में टूट-फूट होना इत्यादि संकट से आज यह जगत दो चार हो रहा है समय रहते इसके समझ लें और ठीक करने की अत्यंत आवश्यकता है। वरना आने वाली पीढ़ी इस मार को सहने को अक्षम होगी।

कार्यक्रम की प्रस्तावना राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डा. अविनाश प्रताप ने रखी। जबकि आभार ज्ञापन यशवन्त राय ने किया, संचालन सुबोध कुमार मिश्र ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक सहित स्वयं सेवक/संविका उपस्थित रहें।

इस अवसर पर 50 विद्यार्थियों ने पर्यावरण संकट एवं संरक्षण विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता में हिस्सेदारी की।

i next, Gorakhpur, 17 September 2015

'भारतीय जीवन पद्धति पर्यावरण संकट का उपाय'

▶ एमपीपीजी कॉलेज में विश्व ओजोन संरक्षण दिवस के मौके पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया. एमपीपीजी कॉलेज एनएसएस की ओर से आयोजित इस प्रोग्राम में बतौर चीफ गेस्ट वनस्पति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव मौजूद रहे. उन्होंने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जीवन पद्धति के साथ साम्य ही वर्तमान पर्यावरण संकट का उपाय है. पर्यावरण में क्षरण मनुष्य के कर्मों का ही फल है. इस मौके पर एनएसएस प्रभारी डॉ. अविनाश प्रताप, यशवंत राय, सुबोध कुमार मिश्र समेत स्टूडेंट्स मौजूद रहे.

समाचार पत्रों में...

आज गोरखपुर गुरुवार, १७ सितम्बर २०१५

ओजोन परत का विखंडन गंभीर-डा.अभय

भारतीय जीवन पद्धति के साथ साम्य ही वर्तमान पर्यावरण संकट का उपाय है। मनुष्य के कर्मो का ही फल है पर्यावरण में क्षरण। वैश्विक बाजारवाद और उपभोक्तावाद जीवन शैली ने जिस प्रकार से अंधाधुन्ध उत्पादन और उपभोग को जीवन शैली ने जिस प्रकार से अंधाधुंध उत्पादन और उपभोग को जीवन का मुख्य आधार बना लिया है, उसी के परिणाम स्वरूप आज न केवल विश्व के सामने बल्कि सम्पूर्ण मानवता के लिए पर्यावरण का दूषित होना चिन्तनीय है। तमाम अनुवेंषण और अनुसंधानों के माध्यम से प्राकृतिक नियमों के विपरीत आचरण, व्यवहार के कारण ही आज विश्व इस महासंकट को झेल रहा है। उसी पर्यावरणीय संकट में एक बड़ा पृथ्वी का सुरक्षा कवच कहे जाने वाला ओजोन परत का विखंडन होना भी है। यह बाते वनस्पति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डा.अभय कुमार श्रीवास्तव ने महाराणा प्रताप पी.जी.कॉलेज, जंगल धूसड़, के राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में विश्व ओजोन संरक्षण दिवस के अवसर पर बोलते हुए कहीं। डा.श्रीवास्तव ने कहा कि ओजोन परत की बिरलता न केवल तापमान वृद्धि हो रही है बल्कि जलवायु परिवर्तन का यह एक बड़ा कारण है। ओजोन परत में विरलता से वह अमलीय वर्ष और घने कुहरे का प्रकोप दुनिया झेल रही है। वहीं दूसरी तरफ इस विखण्डन के नाते पराबैंगनी बीटा किरणों की अधिकता से न केवल पशु, पौधे बल्कि मानव भी बुरी तरह से दुष्प्रभावित है। कार्यक्रम की प्रस्तावना राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डा.अविनाश प्रताप ने रखी। जब कि आभार ज्ञापन यशवंत राव ने किया, संचालन सुबोध कुमार मिश्र ने किया। इस अवसर पर ५० विद्यार्थियों ने पर्यावरण संकट एवं संरक्षण विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता में हिस्सेदारी की।

पायनियर लखनऊ, बृहस्पतिवार, 17 सितम्बर, 2015

पर्यावरण में क्षरण मनुष्य के कर्मों का फल : डॉ. अभय

पायनियर समाचार सेवा। गोरखपुर

ओजोन परत की बिरलता न केवल तापमान वृद्धि हो रही बल्कि जलवायु परिवर्तन का भी यह एक बड़ा कारण

भारतीय जीवन पद्धति के साथ साम्य ही वर्तमान पर्यावरण संकट का उपाय है। मनुष्य के कर्मों का ही फल है पर्यावरण में क्षरण। वैश्विक बाजारवाद और उपभोक्तावाद जीवन शैली ने जिस प्रकार से अन्धाधुन्ध उत्पादन और उपभोग को जीवन का मुख्य आधार बना लिया है, उसी के परिणाम स्वरूप आज न केवल विश्व के सामने बल्कि सम्पूर्ण मानवता के लिए पर्यावरण का दूषित होना चिन्तनीय है। जीवन का हर क्षेत्र को वैज्ञानिक प्रगति के साथ जोड़ने से प्राकृतिक सन्तुलन में बिखराव आया है। मनुष्य कभी भी प्रकृति पर न तो विजय प्राप्त कर सकता है, न तो उसे विखण्डित कर सकता है और न ही उसके मानव हितकारी रहस्य को पूरी तरह से समझ सकता है। यह बातें वनस्पति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव ने महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़ के राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में विश्व ओजोन संरक्षण दिवस के अवसर पर बोलते हुए कही। डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि ओजोन परत की बिरलता न केवल तापमान वृद्धि हो रही है बल्कि जलवायु परिवर्तन का यह एक बड़ा कारण है। इसका सबसे बड़ा दुष्परिणाम जैव-भू-जैव रासायनिक चक्र में परिवर्तन होना है। एक तरफ मानव जनसंख्या में लगातार वृद्धि हो रही है वहीं दूसरी तरफ हिमखण्ड पिघलने से भूक्षेत्र में कमी आ रही है। आने वाले समस में यह स्थिति अराजकता और अव्यवस्था का परिचायक दिखलाई पड़ रही है। ओजोन परत में विरलता से वह अमलीय वर्षा और घने कुहरे का प्रकोप दुनिया झेल रही है। वहीं दूसरी तरफइस विखण्डन के नाते पराबैंगनी बीटा किरणों की अधिकता से न केवल पशु, पौधे बल्कि मानव भी बुरी तरह से दुष्प्रभावित है। विभिन्न प्रकार के होने वाले चर्म रोग, कैंसर रोग, मोतियाबिन्द, चमड़ियों में झुर्री पड़ना, त्वचा की कोशिकाओं में टूट-फूट होना इत्यादि संकट से आज यह जगत दो चार हो रहा है। समय रहते इसके समझ लें और ठीक करने की अत्यन्त आवश्यकता है। वरना आने वाली पीढ़ी इस मार को सहने को अक्षम होगी। कार्यक्रम की प्रस्तावना राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डॉ. अविनाश प्रताप ने रखी। जबकि आभार ज्ञापन यशवन्त राव ने किया, संचालन श्री सुबोध कुमार मिश्र ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक सहित स्वयं सेवक/सेविका उपस्थित रहें। इस अवसर पर 50 विद्यार्थियों ने पर्यावरण संकट एवं संरक्षण विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता में हिस्सेदारी की।

गोरखपुर, गुरुवार, 17 सितम्बर, 2015 सिटी टाइम्स

पृथ्वी का मानव हितकारी रहस्य समझ से परे

एमपी पीजी कालेज में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में विश्व ओजोन संरक्षण दिवस पर गोष्ठी का आयोजन

पर्यावरण संकट एवं संरक्षण विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने बनाए पोस्टर

गोष्ठी को सम्बोधित करते डा. अभय कुमार श्रीवास्तव।

जिला संवाददाता, गोरखपुर। भारतीय जीवन पद्धति के साथ साम्य ही वर्तमान पर्यावरण संकट का उपाय है। वैश्विक बाजारवाद और उपभोक्तावाद जीवन शैली ने जिस प्रकार से अन्धाधुन्ध उत्पादन और उपभोग को जीवन का मुख्य आधार बना लिया है, उसी के परिणाम स्वरूप आज न केवल विश्व के सामने बल्कि सम्पूर्ण मानवता के लिए पर्यावरण का दूषित होना चिन्तनीय है। जीवन का हर क्षेत्र को वैज्ञानिक प्रगति के साथ जोड़ने से प्राकृतिक सन्तुलन में बिखराव आया है। मनुष्य कभी भी प्रकृति पर न तो विजय प्राप्त कर सकता है, न तो उसे विखण्डित कर सकता है और न ही उसके मानव हितकारी रहस्य को पूरी तरह से समझ सकता है।

यह बातें वनस्पति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डा. अभय कुमार श्रीवास्तव ने महाराणा प्रताप पीजी कालेज में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में विश्व में एक बड़ा पृथ्वी का सुरक्षा कवच कहे जाने वाला ओजोन परत का विखण्डन होना भी है। ओजोन परत की बिरलता न केवल तापमान वृद्धि हो रही है बल्कि जलवायु परिवर्तन का यह एक नाते पराबैंगनी बीटा किरणों की अधिकता से न केवल पशु, पौधे बल्कि मानव भी बुरी तरह से दुष्प्रभावित है। कार्यक्रम में पर्यावरण संकट एवं संरक्षण विषय पर पोस्टर

समाचार पत्रों में...

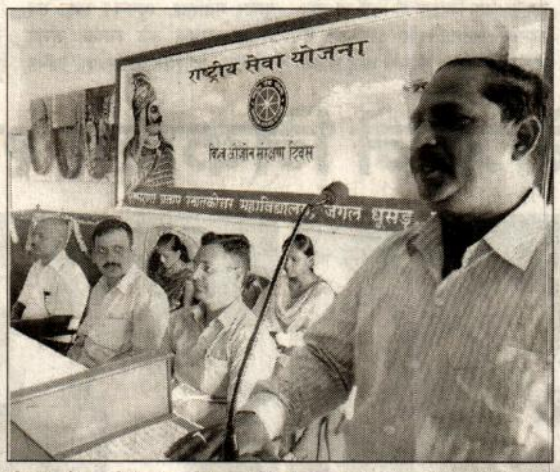

अमर उजाला
युवा गोरखपुर
गोरखपुर | बृहस्पतिवार | 17 सितंबर 2015

'प्रकृति से खिलवाड़ का नतीजा है ओजोन क्षरण'

ओजोन संरक्षण दिवस पर आयोजित हुई संगोष्ठी में बोले वक्ता

ओजोन क्षरण से पृथ्वी का बढ़ रहा तापमान और जलवायु में भी परिवर्तन

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। विश्व ओजोन संरक्षण दिवस के अवसर महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज, जंगल धूसड़ में संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

इस अवसर डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि तमाम प्रयोग और अनुसंधान के माध्यम से प्रकृति के साथ हो रहे खिलवाड़ का नतीजा ओजोन क्षरण के रूप में सामने आया है। ओजोन क्षरण से पर्यावरण संरक्षण में आ रही दुश्वारियां मानव जीवन को खतरे के दायरे में ला रही हैं। यह समस्या न केवल विश्व बल्कि समूची मानवता के लिए चिंता का विषय है। उन्होंने बताया कि ओजोन परत की विरलता न केवल पृथ्वी का तापमान बढ़ा रही है बल्कि जलवायु परिवर्तन का कारण भी बन रही है। डॉ. श्रीवास्तव ने ओजोन क्षरण से भविष्य में आने वाली समस्या की अम्लीय वर्षा और घने कोहरे का प्रकोप जैसी भयावह तस्वीर पेश की।

उन्होंने कहा कि यदि आज की पीढ़ी इसे लेकर सचेत नहीं हुई तो आने वाली पीढ़ी इस समस्या को झेलने में अक्षम होगी। कार्यक्रम की प्रस्तावना डॉ. अविनाश ने रखी। संचालन सुबोध मिश्र और आभार ज्ञापन यशवंत राव का रहा। इस अवसर पर 50 विद्यार्थियों ने पर्यावरण संकट एवं संरक्षण विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता में हिस्सेदारी की।

दैनिक जागरण गोरखपुर, 17 सितंबर 2015

'हमारे कुकृत्यों का परिणाम है पर्यावरण पर संकट'

◆ एमपीपीजी कालेज में विश्व ओजोन संरक्षण दिवस पर गोष्ठी

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : मनुष्य कभी भी प्रकृति पर न तो विजय प्राप्त कर सकता है, न तो उसे विखंडित कर सकता है और न ही उसके मानव हितकारी रहस्य को पूरी तरह से समझ सकता है। तमाम अनुवेषण ओर अनुसंधानों के माध्यम से प्राकृतिक नियमों के विपरीत आचरण, व्यवहार के कारण ही आज विश्व इस महासंकट को झेल रहा है। उसी पर्यावरणीय संकट में एक बड़ा पृथ्वी का सुरक्षा कवच कहे जाने वाला ओजोन परत का विखंडन होना भी है। जीवन के हर क्षेत्र को वैज्ञानिक प्रगति के साथ जोड़ने से प्राकृतिक संतुलन में बिखराव आया है।

उक्त बातें महाराणा प्रताप पीजी कालेज जंगल धूसड़ में वनस्पति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डा. अभय कुमार श्रीवास्तव ने विश्व ओजोन संरक्षण दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में कही। डा.श्रीवास्तव ने कहा कि ओजोन परत की विरलता से न केवल तापमान में वृद्धि हो रही है बल्कि जलवायु परिवर्तन का यह एक बड़ा कारण है। सबसे बड़ा दुष्परिणाम जैव-भू-जैव रासायनिक चक्र में परिवर्तन होना है। एक तरफमानव जनसंख्या में लगातार वृद्धि हो रही है वहीं दूसरी तरफ हिमखंड पिघलने से भूक्षेत्र में कमी आ रही है। आने वाले समय में यह स्थिति अराजकता और अव्यवस्था का परिचायक दिखलाई पड़ रही है।

इससे पहले कार्यक्रम का विषय प्रवेश राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डा. अविनाश प्रताप ने रखी, जबकि आभार ज्ञापन यशवन्त राव ने और संचालन सुबोध कुमार मिश्र ने किया। इस अवसर पर 50 विद्यार्थियों ने पर्यावरण संकट एवं संरक्षण विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता में भी हिस्सेदारी की।

समाचार पत्रों में...

राष्ट्रीय सहारा

रखपुर | बृहस्पतिवार • 17 सितम्बर • 2015

ओजोन परत में विरलता से हो रही अम्लीय वर्षा : अभय

गोरखपुर (एसएनबी)। ओजोन परत की बिरलता से न केवल तापमान में वृद्धि हो रही है बल्कि जलवायु परिवर्तन का यह एक बड़ा कारण है। इसका सबसे बड़ा दुष्परिणाम जैव-भू-जैव रासायनिक चक्र में परिवर्तन होना है। एक तरफ मानव जनसंख्या में लगातार वृद्धि हो रही है वहीं दूसरी तरफ हिमखण्ड पिघलने से भू-क्षेत्र में कमी आ रही है। उक्त बातें वनस्पति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव ने महाराणा प्रताप पीजी कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में विश्व ओजोन संरक्षण दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही।

ओजोन परत में विरलता से दुनिया अम्लीय वर्षा और घने कुहरे का प्रकोप दुनिया झेल रही है। दूसरी तरफ इस विखण्डन के कारण पराबैंगनी बीटा किरणों की अधिकता से न केवल पशु, पौधे बल्कि मानव भी बुरी तरह से दुष्प्रभावित हो रहे हैं। विभिन्न प्रकार के होने वाले चर्म रोग, कैंसर रोग, मोतियाबिन्द, चमड़ियों में झुर्री पड़ना, त्वचा की कोशिकाओं में टूट-फूट होना समस्याएं सामने आ रही हैं। कार्यक्रम की प्रस्तावना राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डॉ. अविनाश प्रताप ने रखी। आभार ज्ञापन यशवन्त राव ने किया। संचालन सुबोध कुमार मिश्र ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक सहित स्वयं सेवक-सेविका उपस्थित रहे। इस अवसर पर 50 विद्यार्थियों ने पर्यावरण संकट एवं संरक्षण विषय पर आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में हिस्सेदारी की।

हिन्दुस्तान • गोरखपुर • गुरुवार • 17 सितम्बर 2015 •

पर्यावरण का संकट मनुष्य के ही बुरे कर्मों का फल

ओजोन दिवस

गोरखपुर | प्रमुख संवाददाता

पर्यावरण संकट मनुष्य के कर्मों का फल है। बाजारवाद और उपभोक्तावादी जीवनशैली ने अंधाधुंध उत्पादन और उपभोग को जिस तरह जीवन का मुख्य आधार बना दिया है उससे आज सारी मानव जाति चिंता में पड़ गई है। जीवन के हर क्षेत्र को वैज्ञानिक प्रगति के साथ जोड़ने के चलते प्राकृतिक संतुलन बिगड़ा है।

ये बातें विश्व ओजोन संरक्षण दिवस के मौके पर बुधवार को महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज में वनस्पति विज्ञान के अध्यक्ष डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव ने कहीं। इस मौके पर कॉलेज में 50 विद्यार्थियों ने पर्यावरण संकट और संरक्षण विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की। डॉ. श्रीवास्तव ने कहा कि मनुष्य कभी भी न तो प्रकृति पर विजय प्राप्त कर सकता है, न ही उसे बिखंडित कर सकता है। न उसे मानव हितकारी रहस्य को पूरी तरह समझ सकता है।

ओजोन परत को नुकसान से दुनिया अम्लीय वर्षा और घने कुहरे का प्रकोप झेल रही है। पराबैंगनी वीटा किरणों से न केवल पशु और पौधे बल्कि मनुष्य भी बुरी तरह प्रभावित हैं। इन्हीं किरणों के चलते चर्म रोग, कैंसर, मोतियाबिन्द, चमड़ियों में झुर्री पड़ने, त्वचा की कोशिकाओं में टूट-फूट होने जैसी दिक्कतों से दो-चार होना पड़ रहा है। इस मौके पर सेवा योजना के प्रभारी डॉ.अविनाश प्रताप, यशवंत राव और सुबोध कुमार मिश्र ने भी विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम में मंचासीन प्राध्यापकगण

कार्यक्रम में प्राध्यापिकाएं एवं स्वयं सेविकाएं

कार्यक्रम में प्राध्यापक एवं स्वयं सेवक

पोस्टर प्रतियोगिता

16 सितम्बर 2015 का राष्ट्रीय सेवा योजना एवं वनस्पति विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 'पर्यावरण संकट एवं संरक्षा' विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें 50 छात्र/छात्राओं ने भागीदारी की। इस प्रतियोगिता में श्री सिद्धार्थ कुमार एवं सुश्री गरिमा जायसवाल को संयुक्त रूप से प्रथम, सुश्री आराधना गुप्ता को द्वितीय तथा श्री रामू गुप्ता को

पोस्टर प्रतियोगिता में स्वयं सेविकाएं

चित्रकला का प्रदर्शन करते प्रतिभागी

दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कार

24 सितम्बर 2015 को महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज के राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा उत्कृष्ट कार्य किये जाने के कारण दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के द्वारा सर्वश्रेष्ठ संस्था का दीनदयाल उपाध्याय पुरस्कार दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय सेवा स्थापना दिवस के अवसर पर महाविद्यालय को माननीय कुलपति प्रो. अशोक कुमार द्वारा प्रदान किया गया। यह पुरस्कार महाविद्यालय की ओर से राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने प्राप्त किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. अजय कुमार शुक्ल तथा महानगर की मेयर डॉ. सत्या पाण्डेय जी उपस्थित रहीं।

रासेयो का दीनदयाल उपाध्याय सर्वश्रेष्ठ संस्था का पुरस्कार देते मा. कुलपति

विश्वविद्यालय द्वारा प्राप्त पुरस्कार ग्रहण समारोह में पुरस्कृतजन

समाचार पत्रों में...

राष्ट्रीय सहारा
गोरखपुर। शुक्रवार। 25 सितम्बर। 2015

गांवों में प्रतिभा की कमी नहीं : महापौर

गोरखपुर (एसएनबी)। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्थापना दिवस पर दीन दयाल उपाध्याय राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कार वितरण समारोह की मुख्य अतिथि मेयर डॉ. सत्या पाण्डेय ने कहा कि प्रारंभ में किसी कार्य की शुरूआत अकेले करनी पड़ती है। कार्य शुरू होने के बाद लोग साथ आ जाते हैं। डॉ. पाण्डेय ने कहा कि गांवों में प्रतिभा की कमी नहीं है लेकिन अभिभावक उन्हें अवसर नहीं उपलब्ध करा पाते हैं जिससे गांवों में प्रतिभा विकसित का अवसर नहीं मिल पाता है।

कुलपति प्रो. अशोक कुमार ने अध्यक्षीय उदबोधन में कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना संस्कार की पाठशाला है। स्वयंसेवकों को हर सुविधा उपलब्ध कराएंगे। उत्कृष्ट स्वयंसेवक दो वर्ष के बाद भी अपनी सेवा देते रहें। विशिष्ट अतिथि व अंग्रेजी विभाग

राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस के अवसर पर दीन दयाल उपाध्याय रासेया पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित

की अध्यक्ष प्रो. नंदिता सिंह ने कहा कि इसका फक्र है कि विभाग के शिक्षकों के सयोजकत्व में राष्ट्रीय सेवा योजना नित्य नयी लकीर खींच रहा है। कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए डॉ. अजय कुमार शुक्ला ने कहा कि लगातार दो वर्षों तक कठिन परिश्रम कर कार्यक्रमों में शत-प्रतिशत उपस्थिति दर्ज कराकर जो अपना मुकाम बनाते हैं, उनको इन पुरस्कारों के लिए चयनित किया जाता है। जल्द ही कुलपति के निर्देशन पर वरिष्ठ स्वयंसेवक ग्रुप भी तैयार किया जायेगा।

कार्यक्रम अधिकारियों व स्वयंसेवकों-सेविकाओं ने व्यक्त किये उद्गार

गोरखपुर। पुरस्कृत कार्यक्रम अधिकारी व स्वयंसेवकों ने राष्ट्रीय सेवा योजना से जुड़े अनुभव साझा किया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. शरद कुमार मिश्र ने कहा कि विश्वविद्यालय में कई मौके राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा उपलब्ध कराए गये। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. पूर्णेश नारायण सिंह ने कहा कि वास्तव में यह सम्मान मेरा नहीं, पूरे महाविद्यालय का है। स्वयंसेवक अवनीश धर दूबे ने कहा कि अभिनव की काबिलियत का आभास मुझे राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से हुआ। स्वयंसेवक शशिकांत पाण्डेय ने बताया कि कविता लेखन कौशल डॉ. अजय कुमार शुक्ला की प्रेरणा से मिला। स्वयंसेवक प्रवीण कुमार दूबे ने बताया कि व्यक्तित्व निर्माण, समाज के प्रति कर्तव्य बोध तथा संस्कार राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से सीखा। स्वयंसेविका सुगन्धा सिंह ने पुरस्कार का श्रेय अपने माता-पिता व महाविद्यालयों के गुरूजनों एवं स्वयंसेवकों को दिया। सलोनी मिश्रा, कीर्ति वर्मा, रोमिशा त्रिपाठी व नेहा सिंह द्वारा कुलगीत, स्वागत गीत व सरस्वती वंदना प्रस्तुत किया गया। इस अवसर राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी व स्वयंसेवक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में शिवप्रसाद शुक्ला, अखिलेश पाण्डेय, नीलेश, अनुराग, अविनाश, अखिल, नेहा, कीर्ति, रोमिशा त्रिपाठी, सलोनी, राहुल, निखिल, शिवम उपाध्याय, शैलेन्द्र का सक्रिय सहयोग रहा।

पुरस्कृत महाविद्यालय
- महाराणा प्रताप पीजी कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर

पुरस्कृत कार्यक्रम अधिकारी
- डॉ. पूर्णेश नारायण सिंह, हीरालाल रामनिवास पीजी कालेज, खलीलाबाद, संतकबीरनगर।
- डॉ. शरद कुमार मिश्र, गोरखपुर विवि

पुरस्कृत स्वयंसेवक व स्वयंसेविका
- नैना सिंह पुत्री उग्रसेन सिंह गोरखपुर विवि
- अवनीश धर दूबे पुत्र जितेन्द्र धर दूबे गोरखपुर विवि
- शशिकांत पाण्डेय पुत्र चन्द्रशेखर पाण्डेय गोरखपुर विवि
- प्रवीण दूबे पुत्र श्री पारस नाथ दूबे गोरखपुर विवि
- सुगन्धा सिंह पुत्री रविन्द्र सिंह हीरालाल रामनिवास पीजी कालेज, खलीलाबाद, संतकबीरनगर

संस्कार की पाठशाला है राष्ट्रीय सेवा योजना : कुलपति

राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस के अवसर पर वि.वि. स्थित संवाद भवन में पुरस्कृत लोगों के साथ महापौर डा.सत्या पांडेय, कुलपति प्रो. अशोक कुमार, कार्यक्रम समन्वयक डा. अजय कुमार शुक्ला व अन्य।

अमर उजाला युवा गोरखपुर
गोरखपुर। शुक्रवार। 25 सितंबर 2015

'सेवा भाव सिखाता है एनएसएस'

स्थापना दिवस पर हुए विविध आयोजन, संगठन की उपलब्धियों पर हुई चर्चा

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। राष्ट्रीय सेवा योजना *(एनएसएस) के स्थापना दिवस के* अवसर पर गोरखपुर यूनिवर्सिटी समेत कई कॉलेजों में विविध आयोजन हुए। यूनिवर्सिटी के एनएसएस परिसर में हुए आयोजन में उत्कृष्ट स्वयंसेवकों, प्रशिक्षकों और कॉलेजों को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि मेयर डॉ. सत्या पांडेय ने कहा कि व्यक्ति को किसी भी कार्य की शुरुआत पहले अकेले करनी पड़ती है बाद में लोग उनसे जुड़ते जाते हैं। एनएसएस विद्यार्थियों को यही शिक्षा देता है। इससे विद्यार्थियों में आत्मविश्वास और सेवा भाव विकसित होता है।

कुलपति प्रो. अशोक कुमार ने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि एनएसएस संस्कार की पाठशाला है।

कुलपति ने स्वयंसेवकों को यूनिवर्सिटी की ओर से हर सुविधा उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। विशिष्ट अतिथि अंग्रेजी विभाग की अध्यक्ष प्रो. नंदिता सिंह ने कहा कि हमें इस बात का फक्र है कि यूनिवर्सिटी का राष्ट्रीय सेवा योजना नित्य नई लकीरें खींच रहा है। एनएसएस समन्वयक डॉ. अजय कुमार शुक्ल ने पिछले दो वर्ष में मिली सफलता को साझा किया।

इस दौरान शिवप्रसाद शुक्ला, अखिलेश पाण्डेय, नीलेश, अनुराग, अविनाश, अखिल, नेहा, कीर्ति, रोमिशा त्रिपाठी, सलोनी, राहुल, निखिल, शिवम् उपाध्याय, मनोज कुमार, देवेश चतुर्वेदी, ज्ञान प्रकाश तिवारी, पवन कुमार उपाध्याय, शैलेन्द्र आदि मौजूद रहे।

उधर महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज, जंगल धूसड़ और बाबू पुरुषोत्तम दास राधा रमण दास महाविद्यालय में भी एनएसएस स्थापना दिवस समारोहपूर्वक मनाया गया।

पुरस्कृत लोगों के साथ कुलपति, मेयर व अन्य। अमर उजाला

स्वयंसेवकों को यूनिवर्सिटी की तरफ से दी जाएगी सुविधाः कुलपति

महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज और बाबू पुरुषोत्तम दास राधा रमण दास महाविद्यालय कार्यक्रम हुआ

सम्मानित किए गए

कॉलेज : महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज, जंगल धूसड़, प्रशिक्षक : डॉ. पूर्णेश नारायण सिंह, एचआर पीजी कॉलेज खलीलाबाद और डॉ. शरद कुमार मिश्र, गोरखपुर यूनिवर्सिटी, स्वयंसेवक : नैना सिंह, अवनीश धर दुबे, शशिकांत पांडेय, प्रवीण दुबे (सभी गोरखपुर यूनिवर्सिटी), सुगंधा सिंह (एचआर पीजी कॉलेज, खलीलाबाद)

समाचार पत्रों में..

i next, Gorakhpur, 25 September 2015

PIC: I NEXT

डीडीयूजीयू के संवाद भवन में राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस मनाया गया. इस मौके पर दीन दयाल राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कार वितरण समारोह का भी आयोजन किया गया. जिसमें एमपी पीजी कॉलेज, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. पूर्णेश नारायण सिंह, डॉ. शरद कुमार मिश्र और स्वयंसेवक-स्वयंसेविका में नैना सिंह, अवनीश धर दूबे, शशिकांत पांडेय व प्रवीण दुबे को दीन दयाल राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कार से नवाजा गया.

हिन्दुस्तान • गोरखपुर • शुक्रवार • 25 सितम्बर 2015 •

बच्चों को सम्मान, अभिभावकों के छलके खुशी के आंसू

गोरखपुर | प्रमुख संवाददाता

एनएसएस के स्थापना दिवस के मौके पर गोरखपुर विश्वविद्यालय के संवाद भवन में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए एनएसएस के छात्र-छात्राओं का सम्मान किया गया। कुलपति प्रो. अशोक कुमार और मेयर डॉ. सत्या पांडेय के हाथों अपने बच्चों को सम्मानित होते देख कई अभिभावकों की आंखों से खुशी के आंसू छलक आए।

कॉलेज, कार्यक्रम अधिकारी और छात्र-छात्राओं को अलग-अलग श्रेणी के पुरस्कार दिए गए। 165 कॉलेजों में महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज प्रथम आया। कार्यक्रम अधिकारियों में हीरालाल रामनिवास पीजी कॉलेज खलीलाबाद के डॉ. पूर्णेश नारायण सिंह और डॉ. शरद कुमार मिश्र और विद्यार्थियों में नैना सिंह को प्रथम स्थान मिला। विश्वविद्यालय इकाई के ही अवनीश धर दुबे, शशिकांत पांडेय, प्रवीण दुबे और सुगन्धा सिंह को भी पुरस्कृत किया गया।

स्थापना दिवस पर विवि में सम्मानित हुए कार्यक्रम अधिकारी और वॉलंटियर्स

कुलपति प्रो. अशोक कुमार ने एनएसएस के बाद भी सेवा जारी रखने का आह्वान किया। मेयर सत्या पांडेय ने कहा कि किसी भी नई शुरुआत में व्यक्ति अकेला होता है लेकिन धीरे-धीरे उसके साथ कारवां जुड़ता जाता है। विशिष्ट अतिथि अंग्रेजी विभागाध्यक्ष प्रो. नंदिता सिंह ने कहा कि एनएसएस अपने कामों से कीर्तिमान बना रहा है। डॉ. समन्वयक डॉ.अजय शुक्ल भी मौजूद रहे।

बच्चो ने जीते इनाम

गोरखपुर। चरगांवा क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बरौली में गुरुवार को आयोजित मीना प्रतियोगिता में बच्चों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। बीआरसी सह समन्वयक अर्चना तिवारी की देख रेख में बच्चों ने श्रुति लेख और पेंटिंग के जरिए अपनी प्रतिभा दिखाई। छात्र हरिओम गौड़, परशुराम, मंगेश, प्रेमलता और आकाश गुप्ता ने सर्वाधिक अंक हासिल किया।

कॉलेजों में भी मनाया गया स्थापना दिवस

गोरखपुर। स्थापना दिवस समारोह एमपी पीजी कॉलेज, दिग्विजयनाथ पीजी कॉलेज और बाबू पुरुषोत्तम दास राधा रमण दास महाविद्यालय में भी मनाया गया। दिग्विजयनाथ पीजी कालेज में प्राचार्य शेरबहादुर सिंह, डॉ.नीरज सिंह, डॉ.सत्यपाल सिंह और डॉ.आरपी यादव ने संबोधित किया।

एमपीपीजी के छात्र आशीष राय को 'गुरु गोरक्षनाथ सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवक' पुरस्कार प्रदान किया गया। विश्व ओजोन संरक्षण दिवस पर 'पर्यावरण संकट और संरक्षण' विषय पर आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में प्रतिभागियों प्रमाण-पत्र मोमेण्टम प्रदान किया गया। पोस्टर प्रतियोगिता में सिद्धार्थ कुमार और गरिमा जायसवाल को संयुक्त रूप से प्रथम, आराधना गुप्ता को द्वितीय तथा रामू गुप्ता को तृतीय पुरस्कार दिया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस

24 सितम्बर 2015 को महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस समारोहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर दीनदयाल गोरखपुर विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. अजय कुमार शुक्ल ने स्वयं सेवकों एवं स्वंय सेविकाओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों में सेवा, आस्था और विश्वास के गुणों का विकास करने का बड़ा माध्यम है। समाज में श्रम के प्रति हीन भावना को समाप्त करने में सहयोगी है। सहयोग, समन्वय और नेतृत्व की क्षमता का विकास करके विद्यार्थी अपने व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास कर सकता है।

इस अवसर पर महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना विभाग ने सर्वश्रेष्ठ स्वयं सेवक/स्वयं सेविका हेतु गुरु श्रीगोरक्षनाथ सर्वश्रेष्ठ स्वयं सेवक/स्वयं सेविका पुरस्कार की घोषणा की गयी। इस सत्र का यह पुरस्कार श्री आशीष राय को राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयक डॉ. अजय कुमार शुक्ल द्वारा प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम में 'विश्व ओजोन संरक्षण दिवस पर पर्यावरण संकट एवं सुरक्षा' विषय पर आयोजित प्रतियोगिता में सहभागी एवं विजेताओं को समन्वयक डॉ. अजय कुमार शुक्ल द्वारा प्रमाण पत्र एवं ट्राफी प्रदान की गयी।

कार्यक्रम में रसायनशास्त्र के प्रभारी डॉ. शिवकुमार बर्नवाल ने भी अपना विचार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह तथा आभार ज्ञापन डॉ. यशवंत कुमार राव ने किया।

पोस्टर प्रतियोगिता में प्रतिभागी को प्रमाण पत्र देते डॉ. अजय शुक्ला

समाचार पत्रों में...

स्पष्ट आवाज़ लखनऊ, शुक्रवार, 25 सितम्बर, 2015

श्रम, सेवा और साधना मनुष्य की मूलभूत पहचान : अजय

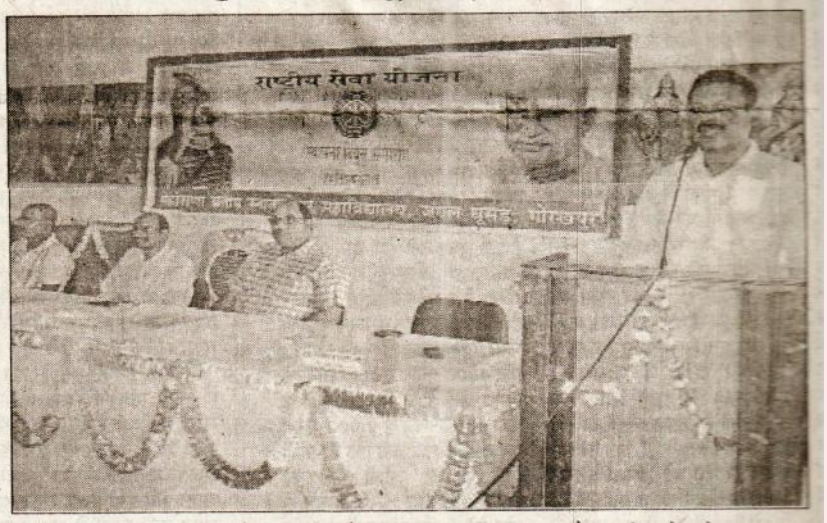

गोरखपुर। महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयक डॉ. अजय कुमार शुक्ला ने बोलते हुए कहा कि मनुष्य के नैसर्गिक स्वभाव में सेवा है। सृष्टि की समृद्धि और उसके विकास में मनुष्य का योगदान अग्रणी रहा है। हर मनुष्य में मानवीय गुण मौजूद रहता है। तमाम बार वह प्रस्फुटित नहीं हो पाता और इसी कारण मनुष्य और समाज में विकृति उत्पन्न होने लगती है। राष्ट्रीय सेवा योजना मानवीय गुणों को विकसित करने तथा विकृतियों के उन्मूलन का सशक्त साधन बन सकता है।

डॉ. शुक्ला ने कहा कि श्रम, सेवा और साधना मनुष्य की मूलभूत पहचान होनी चाहिए। यही समाज और राष्ट्र की उन्नति का आधार है। यदि नौजवान इस मंत्र को अपने जीवन में उतार ले तो भारत का गौरवशाली भविष्य के सपने को मूर्तरूप प्रदान किया जा सकता है। राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका सर्वाधिक है। किसी भी देश के विकास का मानव उसके युवाओं के कौशल पर निर्भर करता है। आज बहुत आवश्यकता युवाओं में कौशल का प्रशिक्षण किया जाना है। बड़ी से बड़ी चुनौतियों का सामना श्रेष्ठ सचेष्ठ नागरिकों द्वारा किया जा सकता है। शिक्षा ज्ञान के मार्ग का निर्धारण करती है और सेवा उसके ज्ञान को महरायी और चमक प्रदान करती है। श्रम द्वारा इसे और भी पुष्पित और पल्लवित किया जाता है। इसी विशेष उद्देश्य के निमित्त उच्च शिक्षण संस्थाओं में राष्ट्रीय सेवा योजना का महत्व और प्रतिष्ठिता अनुकरणीय है।

इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने कहा कि आज के समय की यह मांग है कि शिक्षण संस्थाएं केवल ज्ञान प्रदान करने तक सीमित न रहकर योग्य और दस युवाओं की फौज खड़ा करने का प्रमुख केन्द्र बने। आज का युवा कल का आधार स्तम्भ बनेगा। इसलिए यह आवश्यक है कि उसमें सामाजिक संवेदना, मानवीय चेतना के साथ-साथ असहाय गरीब व्यक्तियों की चिंता और उनमें उत्थान हेतु दृढ़ इच्छा शक्ति निरतंर बनी रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. शिवकुमार बर्नवाल ने कहा कि आज बदलते हुए विश्व परिवेश भौतिक चकाचौंध में उलझ कर रह गया है। इस चुनौती का सामना भारतीय गुरुकुल व्यवस्था में तलासने की जरूरत है। इसलिए आज उस दिशा में प्रयास करके आधुनिक गुरूकुल का निर्माण महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि द्वारा आशीष राय को गुरु श्रीगोरक्षनाथ सर्वश्रेष्ठ स्वंय सेवक पुरस्कार प्रदान किया गया। साथ ही विश्व ओजोन संरक्षण दिवस पर ''पर्यावरण सकट और संरक्षण'' विषय पर आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में प्रतिभागियों और विजेताओं को प्रमाण-पत्र मोमेण्टम प्रदान किया। पोस्टर प्रतियोगिता में सिद्धार्थ कुमार एवं गरिमा जायसवाल को संयुक्त रूप से प्रथम, आराधना गुप्ता को द्वितीय तथा रामू गुप्ता को तृतीय स्थान का पुरस्कार प्रदान किया गया। आभार ज्ञापन डॉ. यशवन्त कुमार राव तथा संचालन इतिहास विभाग के सुबोध कुमार मिश्र ने किया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव, डॉ. विजय कुमार चौधरी, डॉ. रघुबीर नारायण सिंह, डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव, डॉ. आरती सिंह, श्री श्रीकान्त मणि त्रिपाठी, डॉ. मनीता सिंह, सुश्री आम्रपाली वर्मा, श्रीमती कविता मन्ध्यान, डॉ. शक्ति सिंह, डॉ. राजेश शुक्ल सहित स्वयं सेवक/सेविकाएं उपस्थित रहीं।

आज गोरखपुर, शुक्रवार, २५ सितम्बर, २०१५

राष्ट्र का विकास युवाओं के कौशल पर निर्भर–डॉ. शुक्ल

गोरखपुर, २४ सितम्बर। महाराणा प्रताप पीजी कालेज, जंगल धूसड़ में राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयक डॉ. अजय कुमार शुक्ला ने कहा कि मनुष्य का योगदान अग्रणी रहा है। हर मनुष्य में मानवीय गुण मौजूद रहता है।

राष्ट्रीय सेवा योजना मानवीय गुणों को विकसित करने तथा विकृतियों के उन्मूलन का सशक्त साधन बन सकता है। डॉ. शुक्ला ने कहा कि श्रम, सेवा और साधना मनुष्य की मूलभूत पहचान होनी चाहिए। यही समाज और राष्ट्र की उन्नति का आधार है। राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका सर्वाधिक है। किसी भी देश के विकास का मानव उसके युवाओं के कौशल पर निर्भर करता है। आज बहुत आवश्यकता युवाओं में कौशल का प्रशिक्षण किया जाना है। बड़ी से बड़ी चुनौतियों का सामना श्रेष्ठ सचेष्ठ नागरिकों द्वारा किया जा सकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. शिवकुमार बर्नवाल ने कहा कि आज बदलते हुए विश्व परिवेश भौतिक चकाचौंध में उलझ कर रह गया है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि द्वारा आशीष राय को गुरू श्रीगोरक्षनाथ सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवक पुरस्कार प्रदान किया गया। साथ ही विश्व ओजोन संरक्षण दिवस पर पर्यावरण संकट और संरक्षण विषय पर आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में प्रतिभागियों और विजेताओं को प्रमाण–पत्र मोमेण्टम प्रदान किया। पोस्टर प्रतियोगिता में सिद्धार्थ कुमार एवं गरिमा जायसवाल को संयुक्त रूप से प्रथम, आराधना गुप्ता को द्वितीय तथा रामू गुप्ता को तृतीय स्थान का पुरस्कार प्रदान किया गया।

स्वतंत्र भारत समाचार पत्रों में... लखनऊ, शुक्रवार, 25 सितम्बर 2015

राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस समारोह

मनुष्य के नैसर्गिक स्वभाव में सेवा है : डॉ० शुक्ला

गोरखपुर। महाराणा प्रताप पी. जी. कालेज, जंगल धूसड में राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयक डॉ. अजय कुमार शुक्ला ने बोलते हुए कहा कि मनुष्य के नैसर्गिक स्वभाव में सेवा है। सृष्टि की समृद्धि और उसके विकास में मनुष्य का योगदान अग्रणी रहा है। हर मनुष्य में मानवीय गुण मौजूद रहता है। तमाम बार वह प्रस्फुटित नहीं हो पाता और इसी कारण मनुष्य और समाज में विकृति उत्पन्न होने लगती है। राष्ट्रीय सेवा योजना मानवीय गुणों को विकसित करने तथा विकृतियों के उन्मूलन का सशक्त साधन बन सकता है।

डॉ. शुक्ला ने कहा कि श्रम, सेवा और साधना मनुष्य की मूलभूत पहचान होनी चाहिए। यही समाज और राष्ट्र की उन्नति का आधार है। यदि नौजवान इस मंत्र को अपने जीवन में उतार ले तो भारत का गौरवशाली भविष्य के सपने को मूर्तरूप प्रदान किया जा सकता है। राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका सर्वाधिक है। किसी भी देश के विकास का मानव उसके युवाओं के कौशल पर आवश्यकता युवाओं में कौशल का प्रशिक्षण किया जाना है। बड़ी से बड़ी चुनौतियों का सामना श्रेष्ठ सचेष्ठ नागरिकों द्वारा किया जा सकता है। शिक्षा ज्ञान के मार्ग का निर्धारण करती है और सेवा उसके ज्ञान को महरायी और चमक प्रदान करती है। श्रम द्वारा इसे और भी पुष्पित और पल्लवित किया जाता है। इसी विशेष उद्देश्य के निमित्त उच्च शिक्षण संस्थाओं में राष्ट्रीय सेवा योजना का महत्व और प्रतिष्ठिता अनुकरणीय है।

इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा ... सिंह ने कहा कि आज के समय की यह मांग है कि शिक्षण संस्थाएं केवल ज्ञान प्रदान करने तक सीमित न रहकर योग्य और दस युवाओं की फौज खड़ा करने का प्रमुख केन्द्र बनें। आज का युवा कल का आधार स्तम्भ बनेगा। इसलिए यह आवश्यक है कि उसमें सामाजिक संवेदना, मानवीय चेतना के साथ-साथ असहाय गरीब व्यक्तियों की चिंता और उनमें उत्थान हेतु दृढ़ इच्छा शक्ति निरंतर बनी रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. शिवकुमार बर्नवाल ने कहा ... भौतिक चकाचौंध में उलझ कर रह गया है। इस चुनौती का सामना भारतीय गुरुकुल व्यवस्था में तलासने की जरूरत है। इसलिए आज उस दिशा में प्रयास करके आधुनिक गुरुकुल का निर्माण महत्वपूर्ण है।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि द्वारा आशीष राय को गुरु श्रीगोरक्षनाथ सर्वश्रेष्ठ स्वंय सेवक पुरस्कार प्रदान किया गया। साथ ही विश्व ओजोन संरक्षण दिवस पर "पर्यावरण संकट और संरक्षण" विषय पर आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में प्रतिभागियों और विजेताओं को प्रमाण-पत्र मोमेण्टम प्रदान किया। पोस्टर प्रतियोगिता में सिद्धार्थ कुमार एवं गरिमा जायसवाल को संयुक्त रूप से प्रथम, आराधना गुप्ता को द्वितीय तथा रामू गुप्ता को तृतीय स्थान का पुरस्कार प्रदान किया गया। आभार ज्ञापन डॉ. यशवन्त कुमार राव तथा संचालन इतिहास विभाग के सुबोध कुमार मिश्र ने किया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव, डॉ. विजय कुमार चौधरी, डॉ. रघुबीर नारायण सिंह, डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव, डॉ. आरती सिंह, श्रीकान्त मणि त्रिपाठी, डॉ. मनीता सिंह, सुश्री आम्रपाली वर्मा, श्रीमती कविता मन्ध्यान, डॉ. शक्ति सिंह, डॉ. राजेश शुक्ल सहित

पायनियर

लखनऊ, शुक्रवार, 25 सितम्बर, 2015

सृष्टि की समृद्धि व विकास में मनुष्य का योगदान अग्रणी: डॉ. अजय

पायनियर समाचार सेवा। गोरखपुर

महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड में राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयक डॉ. अजय कुमार शुक्ला ने बोलते हुए कहा कि मनुष्य के नैसर्गिक स्वभाव में सेवा है। सृष्टि की समृद्धि और उसके विकास में मनुष्य का योगदान अग्रणी रहा है। हर मनुष्य में मानवीय गुण मौजूद रहता है। तमाम बार वह प्रस्फुटित नहीं हो पाता और इसी कारण मनुष्य और समाज में विकृति उत्पन्न होने लगती है। राष्ट्रीय सेवा योजना मानवीय गुणों को विकसित करने तथा विकृतियों के उन्मूलन का सशक्त साधन बन सकता है। डॉ. शुक्ला ने कहा कि श्रम, सेवा और साधना मनुष्य की मूलभूत पहचान होनी चाहिए। यही समाज और राष्ट्र की उन्नति का आधार है। यदि नौजवान इस मंत्र को अपने जीवन में उतार ले तो भारत का गौरवशाली भविष्य के सपने को मूर्तरूप प्रदान किया जा सकता है। राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका सर्वाधिक है। किसी भी देश के विकास का मानव उसके युवाओं के कौशल पर निर्भर करता है। आज बहुत आवश्यकता युवाओं में कौशल का प्रशिक्षण किया जाना है। बड़ी से बड़ी चुनौतियों का सामना श्रेष्ठ सचेष्ठ नागरिकों द्वारा किया जा सकता है। शिक्षा ज्ञान के मार्ग का निर्धारण करती है और सेवा उसके ज्ञान को महरायी और चमक प्रदान करती है। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने कहा कि आज के समय की यह मांग है कि शिक्षण संस्थाएं केवल ज्ञान प्रदान करने तक सीमित न रहकर योग्य और दस युवाओं की फौज खड़ा करने का प्रमुख केन्द्र बने। आज का युवा कल का आधार स्तम्भ बनेगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि द्वारा आशीष राय को गुरु श्रीगोरक्षनाथ सर्वश्रेष्ठ स्वंय सेवक पुरस्कार प्रदान किया गया। साथ ही विश्व ओजोन संरक्षण दिवस पर "पर्यावरण संकट और संरक्षण" विषय पर आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में प्रतिभागियों और विजेताओं को प्रमाण–पत्र मोमेण्टम प्रदान किया। पोस्टर प्रतियोगिता में सिद्धार्थ कुमार एवं गरिमा जायसवाल को संयुक्त रूप से प्रथम, आराधना गुप्ता को द्वितीय तथा रामू गुप्ता को तृतीय स्थान का पुरस्कार प्रदान किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव, डॉ. विजय कुमार चौधरी, डॉ. रघुबीर नारायण सिंह, डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव, डॉ. आरती सिंह, श्रीकान्त मणि त्रिपाठी, डॉ. मनीता सिंह, सुश्री आम्रपाली वर्मा, श्रीमती कविता मन्ध्यान, डॉ. शक्ति सिंह, डॉ. राजेश शुक्ल सहित स्वयं सेवक, सेविकाएं उपस्थित रहीं।

सिटी टाइम्स

समाचार पत्रों में...

लखनऊ, शुक्रवार, 25 सितम्बर, 2015

एनएसएस मानवीय गुणों को विकसित करने का सशक्त माध्यम

कार्यालय संवाददाता, गोरखपुर। महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयक डॉ. अजय कुमार शुक्ला ने बोलते हुए कहा कि मनुष्य के नैसर्गिक स्वभाव में सेवा है। सृष्टि की समृद्धि और उसके विकास में मनुष्य का योगदान अग्रणी रहा है। हर मनुष्य में मानवीय गुण मौजूद रहता है। तमाम बार वह प्रस्फुटित नहीं हो पाता और इसी कारण मनुष्य और समाज में विकृति उत्पन्न होने लगती है। राष्ट्रीय सेवा योजना मानवीय गुणों को विकसित करने तथा विकृतियों के उन्मूलन का सशक्त साधन बन सकता है।

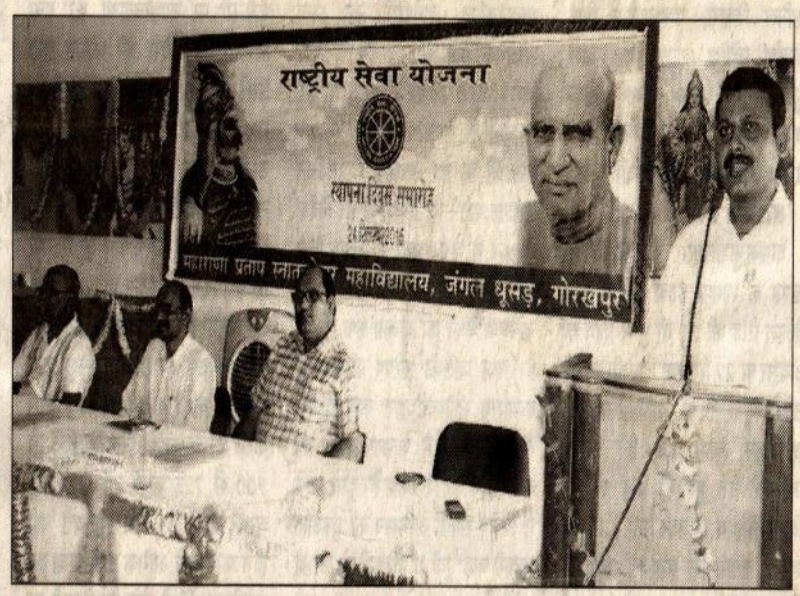

मंचासीन वक्तागण। सिटी टाइम्स

डॉ. शुक्ला ने कहा कि श्रम, सेवा और साधना मनुष्य की मूलभूत पहचान होनी चाहिए। यही समाज और राष्ट्र की उन्नति का आधार है। यदि नौजवान इस मंत्र को अपने जीवन में उतार ले तो भारत का गौरवशाली भविष्य के सपने को मूर्तरूप प्रदान किया जा सकता है। राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका सर्वाधिक है। किसी भी देश के विकास का मानव उसके युवाओं के कौशल पर निर्भर करता है। आज बहुत आवश्यकता युवाओं में कौशल का प्रशिक्षण किया जाना है। बड़ी से बड़ी चुनौतियों का सामना श्रेष्ठ सचेष्ठ नागरिकों द्वारा किया जा सकता है। शिक्षा ज्ञान के मार्ग का निर्धारण करती है और सेवा उसके ज्ञान को महरायी और चमक प्रदान करती है। श्रम द्वारा इसे और भी पुष्पित और पल्लवित किया जाता है। इसी विशेष उद्देश्य के निमित्त उच्च शिक्षण संस्थाओं में राष्ट्रीय सेवा योजना का महत्व और प्रतिष्ठिता अनुकरणीय है।

इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने कहा कि आज के समय की यह मांग है कि शिक्षण संस्थाएं केवल ज्ञान प्रदान करने तक सीमित न रहकर योग्य और दस युवाओं की फौज खड़ा करने का प्रमुख केन्द्र बने। आज का युवा कल का आधार स्तम्भ बनेगा। इसलिए यह आवश्यक है कि उसमें सामाजिक संवेदना, मानवीय चेतना के साथ-साथ असहाय गरीब व्यक्तियों की चिंता और उनमें उत्थान हेतु दृढ़ इच्छा शक्ति निरतंर बनी रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. शिवकुमार बर्नवाल ने कहा कि आज बदलते हुए विश्व परिवेश भौतिक चकाचौंध में उलझ कर रह गया है। इस चुनौती का सामना भारतीय गुरूकुल व्यवस्था में तलासने की जरूरत है। इसलिए आज उस दिशा में प्रयास करके आधुनिक गुरूकुल का निर्माण महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि द्वारा आशीष राय को गुरु श्रीगोरक्षनाथ सर्वश्रेष्ठ स्वंय सेवक पुरस्कार प्रदान किया गया। साथ ही विश्व ओजोन संरक्षण दिवस पर ''पर्यावरण संकट और संरक्षण विषय पर आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में प्रतिभागियों और विजेताओं को प्रमाण-पत्र मोमेण्टम प्रदान किया। पोस्टर प्रतियोगिता में सिद्धार्थ कुमार एवं गरिमा जायसवाल को संयुक्त रूप से प्रथम, आराधना गुप्ता को द्वितीय तथा रामू गुप्ता को तृतीय स्थान का पुरस्कार प्रदान किया गया। आभार ज्ञापन डॉ. यशवन्त कुमार राव तथा संचालन इतिहास विभाग के सुबोध कुमार मिश्र ने किया।

इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव, डॉ. विजय कुमार चौधरी, डॉ. रघुबीर नारायण सिंह, डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव, डॉ. आरती सिंह, श्री श्रीकान्त मणि त्रिपाठी, डॉ. मनीता सिंह, सुश्री आम्रपाली वर्मा, श्रीमती कविता मन्ध्यान, डॉ. शक्ति सिंह, डॉ. राजेश शुक्ल सहित स्वयं सेवक/सेविकाएं उपस्थित रहीं।

डॉ. अजय कुमार शुक्ला का महाविद्यालय द्वारा सम्मान

कार्यक्रम को सम्बोधित करते डॉ. अजय कुमार शुक्ला

कार्यक्रम में शिक्षिकाएं एवं स्वयं सेविकाएं

गुरु श्रीगोरक्षनाथ सर्वश्रेष्ठ स्वयं सेवक का पुरस्कार प्राप्त करते श्री आशीष राय

विश्व ओजोन संरक्षण दिवस पर पोस्टर प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागी

कार्यक्रम में आभार ज्ञापित करते कार्यक्रम अधिकारी डॉ. यशवन्त कुमार राव

गांधी जयन्ती एवं लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती कार्यक्रम

02 अक्टूबर को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती के उपलक्ष्य में व्याख्यान, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं श्रमदान का आयोजन किया गया।

महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर जयंती के अवसर पर श्रद्धांजलि

सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते स्वयं सेवक/स्वयं सेविकाएं

श्रमदान करते स्वयं सेवक

गणतंत्र दिवस परेड हेतु चयन कार्यक्रम

06 अक्टूबर 2015 को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में 26 जनवरी गणतंत्र दिवस परेड हेतु चयन का आयोजन हुआ। इस चयन कार्यक्रम में महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयं सेवक श्री सुशील कुमार सिंह, श्री फजले अख्तर, श्री रंजन आदि लोगों ने भाग लिया।

समाचार पत्रों में...

दैनिक जागरण गोरखपुर, 7 अक्टूबर 2015

परेड में शामिल होना हर युवा का सपना

पिछले साल विवि के दो स्वयसेवक परेड में हुए थे शामिल

संबोधित करते विवि के कुलपति।

संवाद भवन में उपस्थित प्रतिभागी छात्राएं। जागरण

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : गणतंत्र परेड 2016 में शामिल होने के लिए मंगलवार को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में एक दिवसीय चयन प्रक्रिया हुई, जिसमें विश्वविद्यालय से संबंध महाविद्यालयों के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक एवं सेविकाओं ने हिस्सा लिया। साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए गायन, नृत्य, अभिनय, मिमिक्री आदि प्रदर्शन किया। चयन प्रक्रिया का शुभारंभ कुलपति प्रो. अशोक कुमार ने हरी झंडी दिखाकर किया। चयनित प्रतिभागी रांची में होने वाले पी.आरडी परेड शिविर में शामिल होंगे। चयन प्रक्रिया युवा एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार व लखनऊ केंद्र के क्षेत्रीय निदेशक डा.अशोक कुमार श्रोती की अगुवाई में हुई।

कुलपति ने कहा कि राजपथ पर होने वाले परेड में शामिल होनें का सपना हर युवा का होता है। माता-पिता उससे संबंधित सभी का मस्तक गर्व से ऊंचा हो जाता है। कार्यक्रम समन्वयक डा.अजय कुमार शुक्ल रांची में चयनित प्रतिभागी दिल्ली के राजपथ पर होने वाली परेड में प्रतिभाग करेंगे। पूर्व में हुए परेड 2015 में इस विश्वविद्यालय के दो स्वयंसेवकों ने राजपथ पर परेड कर विश्वविद्यालय का नाम बढ़ाया था। कार्यक्रम अधिकारी डा. सुधीर कुमार शुक्ल, डा.कनक मिश्रा, डा.गीता पांडेय, डा.राजकमल सिंह, डा. सत्यपाल सिंह, डा.अनूप, डा.विजय लक्ष्मी सिंह, डा.सुमन सिंह, डा.शैलजा अस्थाना आदि उपस्थित रहे।

इन महाविद्यालयों ने किया प्रतिभाग

विश्वविद्यालय सहित , सीआरडी पीजी कालेज, बाबू लालजी सिंह महाविद्यालय, सहजनवां, सरस्वती विद्यामंदिर, गंगोत्री पीजी कालेज, दिग्विजय नाथ पीजी कालेज, महाराणा प्रताप पीजी कालेज जंगल धूसड़, नेशनल पीजी कालेज, बड़हलगंज, वीर बहादुर सिंह पीजी कालेज, कैम्पियरगंज, महाविद्यालय भटवली, भटवली बाजार, बुद्ध पीजी कालेज कुशीनगर।

राष्ट्रीय सहारा गोरखपुर । मंगलवार • 6 अक्टूबर • 2015

प्री-आरडी परेड के लिए चयन आज

गोरखपुर। पूर्व गणतंत्र दिवस परेड 2016 के लिए एनएसएस स्वयंसेवकों-स्वयंसेविकाओं का चयन 6 अक्टूबर को पूर्वाहन नौ बजे राष्ट्रीय सेवा योजना दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के आवासीय परिसर में स्थित संवाद भवन में होगा। जिसमे चन्द्रकान्ति रमावती देवी महिला पीजी कालेज गोरखपुर, सरस्वती महिला विद्या मंदिर पीजी कालेज गोरखपुर, महाराणा प्रताप पीजी कालेज जंगल धूषड़, दिग्विजय नाथ पीजी कालेज गोरखपुर, वीर बहादुर सिंह कैम्पीयरगंज, नवल्स पीजी कालेज कुसम्ही, बुद्ध पीजी कालेज कुशीनगर सहित लगभग दो दर्जन महाविद्यालय के करीब दो सौ स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाएं प्रतिभाग करेंगी ।

वायु सेना स्थापना दिवस कार्यक्रम

08 अक्टूबर 2015 को भारतीय वायु सेना स्थापना दिवस कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्राचीन इतिहास विभाग के प्रवक्ता श्री सुबोध कुमार मिश्र ने कहा कि सैनिकों के प्रति युवाओं में अगाध श्रद्धा परम आवश्यक है। देश की सुरक्षा में वायु सेना का बड़ा योगदान है। अपने प्राणों की बाजी लगाकर राष्ट्र रक्षा कर रहे जवानों की राष्ट्र की तरफ से सर्वोपरि सम्मान दिया जाना चाहिए। प्राकृतिक आपदाओं के समय जिस तन्मयता एवं निर्भिकता के साथ सेना लोगों के नागरिकों के जीवन सुरिक्षत करने में सक्रिय रही है, वह अनुकरणीय है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने कहा कि उच्च शिक्षण संस्थाओं में प्रयास करके राष्ट्र सेवा में जाने के लिए युवाओं को प्रेरित किया जाना चाहिए। सेना के माध्यम से यह सेवा प्रोफेसन न होकर मिशन के रूप में स्थापित हो इसका प्रयास अवश्य किया जाना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन स्वयं सेवक श्री आशीष राय ने तथा आभार कार्यक्रम अधिकारी डॉ. यशवन्त कुमार राव ने किया।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते श्री सुबोध कुमार मिश्र

समाचार पत्रों में...

स्वतंत्र भारत

लखनऊ, शुक्रवार, 9 अक्टूबर 2015

सुरक्षा व्यवस्था की रीढ़ भारतीय वायु सेना : सुबोध

गोरखपुर। महाराणा प्रताप पी. जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में वायु सेना स्थापना दिवस के अवसर पर भारतीय वायु सेना का देश की सुरक्षा और आपदा में योगदान विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए प्राचीन इतिहास विभाग के प्रवक्ता सुबोध कुमार मिश्र ...ा कि भारत की सुरक्षा व्यवस्था की रीढ़ भारतीय वायु सेना है।

जब-जब भारत स्वतंत्र भारत पर दुश्मनों की कुदृष्टि पड़ी वायु सेना उन्हें धूल चटाई है। बड़े से बड़े भयानक प्राकृतिक आपदा के समय वायु सेना की भूमिका अविस्मरणीय है। हर भारतीय का भारतीय सुरक्षा संस्थानों के प्रति अटूट श्रद्धा देखने को मिलती है। आज बहुत आवश्यक है कि अधिक से अधिक युवाओं को सेना में जाने का प्रोत्साहन और अवसर उपलब्ध कराया जाना चाहिए। सेना ही वह सेवा केन्द्र है जहाँ भारत माँ की सच्ची सेवा का अत्यधिक अवसर उपलब्ध है।

उन्होंने आगे कहा कि भारतीय वायु सेना दुनिया की चौथी बड़ी वायु सेना है, किन्तु भारतीय वायु सेना के समक्ष चुनौतियां भी कम नहीं है। तीसरे नम्बर की चीनी वायु सेना की ताकत के सामने अभी हम बहुत पीछे हैं। राजनीतिक इच्छा शक्ति के अभाव के कारण भारतीय वायु सेना का यथोचित विकास अभी नहीं हो पाया है। अतः भारत को दुनिया की सैन्य शक्ति के मुकाबले अपने को खड़ा करना होगा।

व्याख्यान की अध्यक्षता वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने की तथा संचालन छात्रसंघ के पूर्व महामंत्री श्री आशीष राय ने की। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र उपस्थित थे।

पायनियर

लखनऊ, शुक्रवार, 9 अक्टूबर, 2015

भारत की सुरक्षा व्यवस्था की रीढ़ है भारतीय वायु सेना: मिश्र

गोरखपुर। महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़ के राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में वायु सेना स्थापना दिवस के अवसर पर भारतीय वायु सेना का देश की सुरक्षा और आपदा में योगदान विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए प्राचीन इतिहास विभाग के प्रवक्ता सुबोध कुमार मिश्र ने कहा कि भारत की सुरक्षा व्यवस्था की रीढ़ भारतीय वायु सेना है। जब-जब भारत पर दुश्मनों की कुदृष्टि पड़ी वायु सेना उन्हें धूल चटाई है। बड़े से बड़े भयानक प्राकृतिक आपदा के समय वायु सेना की भूमिका अविस्मरणीय है। हर भारतीय का भारतीय सुरक्षा संस्थानों के प्रति अटूट श्रद्धा देखने को मिलती है। आज बहुत आवश्यक है कि अधिक से अधिक युवाओं को सेना में जाने का प्रोत्साहन और अवसर उपलब्ध कराया जाना चाहिए। सेना ही वह सेवा केन्द्र है जहाँ भारत माँ की सच्ची सेवा का अत्यधिक अवसर उपलब्ध है। उन्होंने आगे कहा सेना के समक्ष चुनौतियां भी कम नहीं है। तीसरे नम्बर की चीनी वायु सेना की ताकत के सामने अभी हम बहुत पीछे हैं। राजनीतिक इच्छा शक्ति के अभाव के कारण भारतीय वायु सेना का यथोचित विकास अभी नहीं हो पाया है। अतः भारत को दुनिया की सैन्य शक्ति के मुकाबले अपने को खड़ा करना होगा। व्याख्यान की अध्यक्षता वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने की तथा संचालन छात्रसंघ के पूर्व महामंत्री आशीष राय ने की। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र उपस्थित थे।

समाचार पत्रों में...

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर,शुक्रवार , 09 अक्टूबर , 2015

व्याख्यान को सम्बोधित करते सुबोध कुमार मिश्र।

भारतीय वायु सेना देश की सुरक्षा की रीढ़ : सुबोध

❑ एमपीपीजी में 'भारतीय वायु सेना दिवस' पर व्याख्यान का आयोजन

गोरखपुर। जब-जब स्वतंत्र भारत पर दुश्मनों की कुदृष्टि पड़ी है वायु सेना ने उन्हें धूल चटाई है। बड़े से बड़े भयानक प्राकृतिक आपदा के समय वायु सेना की भूमिका अविस्मरणीय है। आज बहुत आवश्यक है कि अधिक से अधिक युवाओं को सेना में जाने का प्रोत्साहन और अवसर उपलब्ध कराये जाने की।

यह बातें बुधवार को एमपीपीजी कालेज में आयोजित व्याख्यान को संबोधित करते हुए प्राचीन इतिहास विभाग के प्रवक्ता सुबोध कुमार मिश्र ने कहीं। ''भारतीय वायु सेना का देश की सुरक्षा और आपदा में योगदान'' विषय पर बोलते हुये आगे कहाकि सेना ही वह सेवा केन्द्र है जहां भारत मां की सच्ची सेवा का अत्यधिक अवसर उपलब्ध है। भारतीय वायु सेना दुनिया की चौथी बड़ी वायुसेना है, किन्तु भारतीय वायु सेना के समक्ष चुनौतियां भी कम नहीं है।

राजनीतिक इच्छा शक्ति के अभाव के कारण भारतीय वायु सेना का यथोचित विकास अभी नहीं हो पाया है। अतः भारत को दुनिया की सैन्य शक्ति के मुकाबले अपने को खड़ा करना होगा।

व्याख्यान की अध्यक्षता वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डा. अविनाश प्रताप सिंह ने की तथा संचालन छात्रसंघ के पूर्व महामंत्री आशीष राया ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र उपस्थित थे।

आज

गोरखपुर शुक्रवार, ९ अक्तूबर २०१५

राष्ट्रीय सुरक्षा में वायुसेना का अहम योगदान-मिश्र

❑एमपी पीजी कॉलेज में वायुसेना स्थापना दिवस पर व्याख्यान

गोरखपुर,८ अक्तूबर। महाराणा प्रताप पीजी. कालेज, जंगल धूसड़ के राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में वायु सेना स्थापना दिवस के अवसर पर भारतीय वायु सेना का देश की सुरक्षा और आपदा में योगदान विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए प्राचीन इतिहास विभाग के प्रवक्ता सुबोध कुमार मिश्र ने कहा कि भारत की सुरक्षा व्यवस्था की रीढ़ भारतीय वायु सेना है।

जब-जब भारत स्वतंत्र भारत पर दुश्मनों की कुदृष्टि पड़ी वायु सेना उन्हें धूल चटाई है। बड़े से बड़े भयानक प्राकृतिक आपदा के समय वायु सेना की भूमिका अविस्मरणीय है। हर भारतीय का भारतीय सुरक्षा संस्थानों के प्रति अटूट श्रद्धा देखने को मिलती है। आज बहुत आवश्यक है कि अधिक से अधिक युवाओं को सेना में जाने का प्रोत्साहन और अवसर उपलब्ध कराया जाना चाहिए। सेना ही वह सेवा केन्द्र है जहाँ भारत माँ की सच्ची सेवा का अत्यधिक अवसर उपलब्ध है। उन्होंने आगे कहा कि भारतीय वायु सेना दुनिया की चौथी बड़ी वायु सेना है, किन्तु भारतीय वायु सेना के समक्ष चुनौतियां भी कम नहीं है।

तीसरे नम्बर की चीनी वायु सेना की ताकत के सामने अभी हम बहुत पीछे हैं। राजनीतिक इच्छा शक्ति के अभाव के कारण भारतीय वायु सेना का यथोचित विकास अभी नहीं हो पाया है।

अतः भारत को दुनिया की सैन्य शक्ति के मुकाबले अपने को खड़ा करना होगा। व्याख्यान की अध्यक्षता वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने की तथा संचालन छात्रसंघ के पूर्व महामंत्री आशीष राय ने की। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र उपस्थित थे।

हिन्दुस्तान • गोरखपुर • शुक्रवार • 09 अक्टूबर 2015 •

वायुसेना में जाने के लिए किया प्रोत्साहित

गोरखपुर। महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज जंगल धूसड़ में गुरुवार को वायुसेना स्थापना दिवस पर एनएसएस द्वारा आयोजित गोष्ठी में प्रवक्ता सुबोध मिश्र ने कहा कि यह भारतीय सुरक्षा व्यवस्था की रीढ़ है। जब- जब दुश्मनों की देश पर नजर पड़ी, वायुसेना ने मुंहतोड़ जवाब दिया। प्राकृतिक आपदा के समय भी इसकी भूमिका यादगार रही है। युवाओं को इस क्षेत्र में अधिक संख्या में जाना चाहिए। गोष्ठी को डॉ.अविनाश प्रताप सिंह ने भी संबोधित किया।

चेतना विचारधारा

गोरखपुर, 9 अक्टूबर, 2015

समाचार पत्रों में...

भारतीय वायु सेना देश के सुरक्षा की रीढ़ : सुबोध

एमपीपीजी में 'भारतीय वायु सेना दिवस' पर व्याख्यान का आयोजन

गोरखपुर। जब-जब स्वतंत्र भारत पर दुश्मनों की कुदृष्टि पड़ी है वायु सेना ने उन्हें धूल चटाई है। बड़े से बड़े भयानक प्राकृतिक आपदा के समय वायु सेना की भूमिका अविस्मरणीय है। आज बहुत आवश्यक है कि अधिक से अधिक युवाओं को सेना में जाने का प्रोत्साहन और अवसर उपलब्ध कराये जाने की।

यह बातें बुधवार को एमपीपीजी कालेज में आयोजित व्याख्यान को संबोधित करते हुए प्राचीन इतिहास विभाग के प्रवक्ता सुबोध कुमार मिश्र ने कहीं। ''भारतीय वायु सेना का देश की सुरक्षा और आपदा में योगदान'' विषय पर बोलते हुये आगे कहाकि सेना ही वह सेवा केन्द्र है जहां भारत मां की सच्ची सेवा का अत्यधिक अवसर उपलब्ध है। भारतीय वायु सेना दुनिया की चौथी बड़ी वायुसेना है, किन्तु भारतीय वायु सेना के समक्ष चुनौतियां भी कम नहीं है।

राजनीतिक इच्छा शक्ति के अभाव के कारण भारतीय वायु सेना का यथोचित विकास अभी नहीं हो पाया है। अतः भारत को दुनिया की सैन्य शक्ति के मुकाबले अपने को खड़ा करना होगा।व्याख्यान की अध्यक्षता वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डा. अविनाश प्रताप सिंह ने की तथा संचालन छात्रसंघ के पूर्व महामंत्री आशीष राय ने किया।

सिटी टाइम्स

गोरखपुर, शुक्रवार, 9 अक्टूबर, 2015

सुरक्षा व्यवस्था की रीढ़ भारतीय वायु सेना

एमपीपीजी कालेज में वायु सेना स्थापना दिवस के अवसर पर व्याख्यान का आयोजन

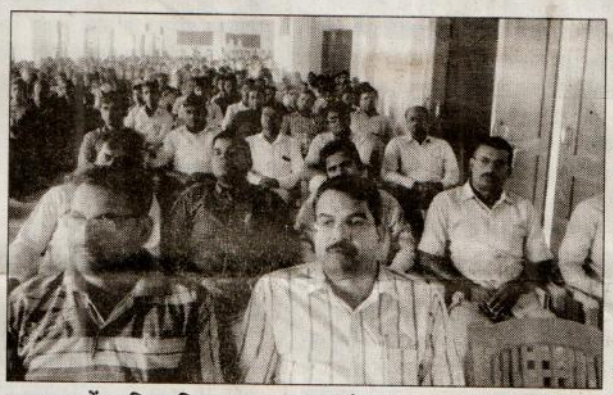

व्याख्यान में उपस्थित शिक्षक व छात्र-छात्राएं। सिटी टाइम्स

जिला संवाददाता, गोरखपुर। भारत की सुरक्षा व्यवस्था की रीढ़ भारतीय वायु सेना है। जब-जब भारत स्वतंत्र भारत पर दुश्मनों की कुदृष्टि पड़ी वायु सेना उन्हें धूल चटाई है। बड़े से बड़े भयानक प्राकृतिक आपदा के समय वायु सेना की भूमिका अविस्मरणीय है। हर भारतीय का भारतीय सुरक्षा संस्थानों के प्रति अटूट श्रद्धा देखने को मिलती है।

यह बातें महाराणा प्रताप पीजी कालेज जंगल धूसड़, के राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में वायु सेना स्थापना दिवस के अवसर पर भारतीय वायु सेना का देश की सुरक्षा और आपदा में योगदान विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए प्राचीन इतिहास विभाग के प्रवक्ता सुबोध कुमार मिश्र ने कही। उन्होंने कहा कि आज बहुत आवश्यक है कि अधिक से अधिक युवाओं को सेना में जाने का प्रोत्साहन और अवसर उपलब्ध कराया जाना चाहिए। सेना ही वह सेवा केन्द्र है जहां भारत मां की सच्ची सेवा का अत्यधिक अवसर उपलब्ध है। उन्होंने आगे कहा कि भारतीय वायु सेना दुनिया की चौथी बड़ी वायु सेना है। भारत को दुनिया की सैन्य शक्ति के मुकाबले अपने को खड़ा करना होगा। व्याख्यान की अध्यक्षता वरिष्ठ कार्यक्र म अधिकारी डा. अविनाश प्रताप सिंह ने की तथा संचालन छात्रसंघ के पूर्व महामंत्री आशीष राय ने की।

उक्त जानकारी देते हुए डा. प्रकाश प्रियदर्शी ने बताया कि समाज शास्त्र विभाग द्वारा 10 अक्टूबर को जनगणना 2011 एक समाज शास्त्र विश्लेशण नामक विषय पर कार्यशाला आयोजित की जायेगी।

समाचार पत्रों में...

सहारा

गोरखपुर | शुक्रवार • 9 अक्टूबर • 2015

वायु सेना की भूमिका अविस्मरणीय : सुबोध

वायु सेना स्थापना दिवस के अवसर पर एमपीपीजी कालेज जंगल धूसड़ में आयोजित व्याख्यान में सम्बोधित करते प्रवक्ता प्राचीन इतिहास विभाग सुबोध कुमार मिश्र।

गोरखपुर (एसएनबी)। भारतीय वायु सेना देश के सुरक्षा व्यवस्था की रीढ़ है। जब-जब देश पर दुश्मनों की कुदृष्टि पड़ी वायु सेना ने उन्हें धूल चटाया है। प्राकृतिक आपदा के समय वायु सेना की भूमिका अविस्मरणीय है। आज आवश्यक हो गया है कि अधिक से अधिक युवाओं को सेना में जाने का प्रोत्साहन और अवसर उपलब्ध कराया जाय। सेना ही वह सेवा केन्द्र है जहां भारत मां की सच्ची सेवा का अत्यधिक अवसर उपलब्ध है। ये बातें महाराणा प्रताप पीजी कालेज, जंगल धूसड के प्राचीन इतिहास विभाग के प्रवक्ता सुबोध कुमार मिश्र ने कही। वे महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में वायु सेना स्थापना दिवस के अवसर पर भारतीय वायु सेना का देश की सुरक्षा और आपदा में योगदान विषय पर व्याख्यान दे रहे थे।

उन्होंने कहा कि भारतीय वायु सेना दुनिया की चौथी बड़ी वायु सेना है, किन्तु भारतीय वायु सेना के समक्ष चुनौतियां भी कम नहीं हैं। तीसरे नम्बर की चीनी वायु सेना की ताकत के सामने अभी हम बहुत पीछे हैं। राजनीतिक इच्छा शक्ति के अभाव के कारण भारतीय वायु सेना का यथोचित विकास अभी नहीं हो पाया है। अतः भारत को दुनिया की सैन्य शक्ति के मुकाबले अपने को खड़ा करना होगा।

व्याख्यान की अध्यक्षता वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने की तथा संचालन छात्रसंघ के पूर्व महामंत्री आशीष राय ने की। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र उपस्थित रहे।

अमर उजाला

9.10.2015

'देश की सुरक्षा व्यवस्था की रीढ़ है भारतीय वायु सेना'

गोरखपुर। जंगल धूसड़ स्थित महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज में बृहस्पतिवार को 'वायु सेना का देश की सुरक्षा और आपदा में योगदान' विषय पर व्याख्यान सत्र का आयोजन किया गया। इस दौरान प्राचीन इतिहास विभाग केप्रवक्ता सुबोध कुमार मिश्र ने कहा कि भारत की सुरक्षा व्यवस्था की रीढ़ भारतीय वायु सेना है। देश की सुरक्षा के लिए अधिक से अधिक युवाओं को सेना में जाने का प्रोत्साहन और अवसर उपलब्ध होना चाहिए। दुनिया की चौथी बड़ी वायु सेना होने केबाद भी संसाधन के क्षेत्र में काफी पिछड़े हैं। व्याख्यान की अध्यक्षता डॉ. अविनाश प्रताप सिंह और संचालन छात्रसंघ के पूर्व महामंत्री आशीष राय ने की।

दैनिक जागरण गोरखपुर, 9 अक्

सुरक्षा का आधार वायु सेना

गोरखपुर : महाराणा प्रताप पीजी कालेज जंगल धूषण में गुरुवार को आयोजित व्याख्यान में प्राचीन इतिहास विभाग के प्रवक्ता सुबोध कुमार मिश्र ने कहा कि हमारी सुरक्षा व्यवस्था का आधार वायुसेना है, वह इस व्यवस्था के रीढ़ की हड्डी है। अध्यक्षता अविनाश प्रताप सिंह ने की।

अमर उजाला युवा गोरखपुर

गोरखपुर | शुक्रवार | 9 अक्टूबर 2015

'सुरक्षा व्यवस्था की रीढ़ है भारतीय वायु सेना'

गोरखपुर। जंगल धूसड़ स्थित महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज में बृहस्पतिवार को 'वायु सेना का देश की सुरक्षा और आपदा में योगदान' विषय पर व्याख्यान सत्र का आयोजन किया गया। प्राचीन इतिहास विभाग के प्रवक्ता सुबोध कुमार मिश्र ने कहा कि भारत की सुरक्षा व्यवस्था की रीढ़ भारतीय वायु सेना है। देश की सुरक्षा के लिए अधिक से अधिक युवाओं को सेना में जाने का प्रोत्साहन और

यातायात नियंत्रण सप्ताह

26 अक्टूबर से 1 नवम्बर के मध्य राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में यातायात नियंत्रण सप्ताह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से नागरिकों में यातायात नियमों और उसका पालन करने की समझ पैदा करना प्रमुख था। स्वयं सेवक/सेविकाओं ने महाविद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के माध्यम से उनमें तथा उनके अभिभावकों में यातायात सतर्कता के प्रति जागरूकता पैदा किया। इसी के साथ जंगल धूसड़ चौराहे से लेकर पादरी बाजार मार्ग तक विभिन्न टोलियों में स्वयं सेवक/सेविकाओं ने सड़क पर

चलने वाले दो पहिया वाहन चालकों को हेलमेट के महत्व और उसकी अपरिहार्यता के प्रति सचेत करते हुए नियंत्रित गति और गाड़ियों का रख–रखाव के प्रति गंभीरतापूर्वक जानकारी उपलब्ध कराई।

यातायात नियंत्रण सप्ताह कार्यक्रम में जागरुक करते स्वयं सेवक

सरदार बल्लभ भाई पटेल जयन्ती कार्यक्रम

31 अक्टूबर 2015 को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में लौह पुरूष सरदार बल्लभ भाई पटेल जयंती समारोह को सम्बोधित करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि वर्तमान परिवेश के राजनीतिक परिदृश्य सरदार बल्लभ भाई पटेल जैसे व्यक्तित्व की परम आवश्यकता है। आज भारत का जो स्वरूप हम देख रहे हैं और जिस भारत में हम रह रहे हैं वह सरदार बल्लभ भाई पटेल की दूरदृष्टि और सफल कार्य योजना के कारण ही सम्भव हो सका है। भारत का एक राष्ट्र के रूप में संगठित करने और उसे मजबूत करने में सरदार पटेल की विचारधारा महत्वपूर्ण है।

समाचार पत्रों में...

पायनियर
लखनऊ, रविवार, 1 नवम्बर, 2015

सरदार पटेल ने पूरा जीवन भारत मां को समर्पित किया: डॉ. राव

गोरखपुर। समर्थ भारत के सपने को साकार करने में सरदार बल्लभ भाई पटेल उन अग्रणी महापुरुषों में से एक हैं जिन्होंने अपना पूरा जीवन भारत मां को समर्पित कर दिया। अंग्रेजों की फूट डालो नीति से स्वतंत्र भारत भी नहीं बच पाता यदि बल्लभ भाई पटेल नहीं होते तो। जूनागढ़ और हैदराबाद जैसे मुस्लिम रियासतों को भारत में सम्मिलित कराना टेढ़ी खीर को उन्होंने बहुत ही कुशलतापूर्वक सम्पन्न कर लिया। लेकिन जम्मू-काश्मीर आज भारत के लिए जो सबसे बड़ी समस्या बनी हुई है यदि सरदार पटेल को पंडित जवाहर लाल नेहरू काश्मीर समाधान से अलग नहीं किये होते तो आज भारत को उस समस्या से दो-चार नहीं होना पड़ता। राष्ट्रीय नेतृत्व राष्ट्रीय प्रगति का आधार स्तम्भ होता है। इसलिए उसको बहुत समर्थ, मजबूत और दूरदृष्टि वाला होना चाहिए। उक्त बातें महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़ में सरदार बल्लभ भाई पटेल जयन्ती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर बोलते हुए डॉ. प्रदीप राव ने कहा। उन्होंने कहा कि सरदार बल्लभ भाई पटेल का जन्म 31 अक्टूबर 1875 ई. को गुजरात के करमसद गाँव में हुआ। सरदार पटेल के पिता झबेर भाई सामान्य किसान थे। वे देशभक्त और बहादुर व्यक्ति थे। उन्होंने 1857 में रानी झाँसी के साथ सेना में अंग्रेजों से लड़ाई लड़ी थी। सरदार जी राजनीति में उस समय आये जब गाँधी जी ने गुजरात की राजनीति में प्रवेश किया। उन्होंने बैरिस्टरी छोड़कर गोधरा, खेड़ा बारदोली आंदोलन में भाग लिया और जेल में यातनाएं सही। उन्हें देश के प्रमुख नेताओं में से एक माना जाता है। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय एकता का शपथ दिलाते हुए कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने कहा कि सरदार को कराची में कांग्रेस का अध्यक्ष चुना गया। अधिवेशन से कुछ दिन पूर्व ही सरदार भगत सिंह को फाँसी दी गई थी। गाँधी-इर्विन समझौता हुआ था। करांची अधिवेशन के बाद सत्याग्रह आंदोलन प्रारम्भ होते ही सरदार जी और अन्य नेता गिरफ्तार कर लिये गये परन्तु अत्यधिक अस्वस्थ होने के कारण इन्हें रिहा कर दिया कर दिया गया। 1942 में इन्हें पुनः गिरफ्तार किया गया। देश के आजाद होने पर सरदार पटेल को प्रचार, रियासत और गृह विभाग का कार्यभार मिला। सरदार पटेल 15 दिसम्बर 1950 को स्वर्ग सिधार गये। उनको भारत रत्न से भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर गुरु श्रीगोरक्षनाथ एवं हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई के स्वयं सेवक, सेविकाएं उपस्थित रहें।

मोमिन अन्सारी सभा का जिलाध्यक्ष मनोनीत

गोरखपुर। उ.प्र. मोमिन अन्सारी सभा का जिलाध्यक्ष वसीम अन्सारी को राष्ट्रीय अध्यक्ष अकर अन्सारी के निर्देश पर मनोनित किया गया। वसीम अन्सारी को जिलाध्यक्ष उनके अनुभव, योग्यता, सक्रियता, लोकप्रियता तथा कर्तव्यनिष्ठा को ध्याम में रखते हुए बनाया गया। यह जानकारी मोमिन अन्सार सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष मुमताज अन्सारी ने दी।

गोरखपुर, रविवार, 1 नवम्बर, 2015 सिटी टाइम्स 9
www.citytimes.co.in
गोरखपुर

अखण्डता दिवस के रूप में मना पटेल का जन्मदिन

दीवीयू डीवी कालेज में सरदार पटेल के चित्र पर माल्यार्पण करते डा. अजय शुक्ला व एमपी पीजी कालेज जंगल धूसड़ में श्रद्धांजलि अर्पित करती छात्राएं। सिटी टाइम्स

पटेल ने देश की एकता एवं अखण्डता के लिए लोहे की भांति अड़कर देश को एकजुट बनाए रखा : डीएम

सरदार पटेल का जीवन ऊंचाइयों से भरा था, परन्तु अभी तक नहीं मिला उन्हें यथोचित सम्मान : डॉ. एस.एस. पाण्डेय

यदि बल्लभ भाई पटेल नहीं होते तो स्वतंत्र भारत भी नहीं बच पाता : डा. प्रदीप राव

एकता दिवस के रूप में मनी पटेल जयन्ती

मारवाड़ बिजनेस स्कूल के एनएसएस में आयोजित किया एकता दिवस समारोह